वर्ष : 34 | अंक : 363 | मुंबई, गुरुवार, 12 मार्च 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

ओम बिरला के कार्यों की सराहना

अमित शाह ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की निष्पक्षता और कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने सदस्यों को बोलने का पर्याप्त अवसर दिया है। उनके कार्यकाल में संसद में 14 भाषाओं में बोलने की व्यवस्था और डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा दिया गया है।
गृह मंत्री ने कहा कि संसद के नियमों के तहत अध्यक्ष को अधिकार है कि वे असंसदीय टिप्पणियों को कार्यवाही से हटाने के साथ ही अव्यवस्था की स्थिति में सदस्य को रोक सकते हैं या बाहर भी कर सकते हैं।

हंगामे के बीच ध्वनिमत से खारिज हुआ प्रस्ताव

हंगामे के बीच ही पीठासीन सभापति ने संकल्प को मतदान के लिए रखा। कांग्रेस के मोहम्मद जावेद द्वारा लाए गए इस प्रस्ताव को सदन ने ध्वनिमत से खारिज कर दिया और इस तरह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाया गया प्रस्ताव पारित नहीं हो सका।

लोकसभा में उपस्थिति के आंकड़े पेश किए

अमित शाह ने राहुल गांधी की लोकसभा में उपस्थिति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 17वीं लोकसभा में राहुल गांधी की उपस्थिति 51 प्रतिशत और 16वीं लोकसभा में 52 प्रतिशत रही, जबकि राष्ट्रीय औसत करीब 80 प्रतिशत रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष बने रहेंगे बिरला

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए विपक्ष द्वारा लाया गया संकल्प बुधवार को ध्वनिमत से खारिज कर दिया गया। इस प्रस्ताव पर सदन में करीब 12 घंटे तक लंबी चर्चा हुई, जिसके बाद मतदान कराया गया और सदन ने इसे अस्वीकार कर दिया।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला को हटाने का विपक्ष का संकल्प ध्वनिमत से खारिज

गृह मंत्री अमित शाह ने दिया विस्तृत जवाब

चर्चा के अंत में गृह मंत्री अमित शाह ने लगभग सवा घंटे तक जवाब देते हुए विपक्ष के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि सदन में किसी भी सदस्य को नियमों के खिलाफ बोलने का अधिकार नहीं है और संसदीय परंपराओं का पालन करना सभी की जिम्मेदारी है।

अध्यक्ष की निष्ठा पर सवाल उठाने की निंदा

अमित शाह ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष की निष्ठा पर सवाल उठाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष के फैसले से असहमति हो सकती है, लेकिन सदन में उनका निर्णय अंतिम माना जाता है और इससे लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा होती है।

राहुल गांधी पर साधा निशाना

गृह मंत्री ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे अक्सर दावा करते हैं कि उन्हें सदन में बोलने नहीं दिया जाता, जबकि कई महत्वपूर्ण बहसों में उन्होंने खुद हिस्सा नहीं लिया। शाह ने कहा कि जब महत्वपूर्ण सत्र होते हैं, तब राहुल गांधी अक्सर विदेश दौरे पर रहते हैं।

विपक्ष के आचरण पर भी उठाए सवाल

शाह ने विपक्ष के व्यवहार पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि कई बार विपक्षी सदस्य सदन के बीच में आकर कागज फाड़कर अध्यक्ष की ओर फेंकते हैं, जिससे सदन की गरिमा को ठेस पहुंचती है। उन्होंने कहा कि संसद कोई मेला नहीं है, बल्कि नियमों से चलने वाली संस्था है।

शब्द विवाद पर सदन में हंगामा

शाह के भाषण के दौरान एक शब्द को लेकर विपक्षी सदस्य भड़क गए और वेल में आकर नारेबाजी करने लगे। विपक्ष ने 'अमित शाह माफी मांगो' के नारे लगाए। हालांकि पीठासीन सभापति ने कहा कि यदि कोई शब्द असंसदीय पाया गया तो उसे रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा।

ब्रीफ न्यूज़

महाराष्ट्र में इलेक्ट्रिक बाइक टैक्सी पर सख्ती

मुंबई। महाराष्ट्र बाइक टैक्सी नियम-2025 के तहत सभी बाइक टैक्सियों का 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक होना अनिवार्य कर दिया गया है। नियम का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 के बीच राज्य में कुल 930 बाइक चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई और 23,92,750 रुपए का दंड वसूला गया। विधान परिषद में प्रदेश के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने लिखित जवाब में बताया कि नियम के प्रावधानों का पालन करने वाली विभिन्न कंपनियों के खिलाफ 20 मामले दर्ज किए गए हैं। यह जानकारी भाजपा विधायक चित्रा वाघ के लिखित सवाल के जवाब में साझा की गई।

3 करोड़ 47 लाख रुपए का नायलॉन मांजा जब्त

मुंबई। प्रदेश में साल 2024 से जनवरी 2026 के बीच नायलॉन मांजा के उपयोग के खिलाफ 1,301 मामले दर्ज किए गए और 1,188 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। विधान परिषद में लिखित जवाब में पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन मंत्री पंकजा मुंडे ने यह जानकारी दी। इस कार्रवाई में पुलिस ने कुल 3 करोड़ 47 लाख 12 हजार 536 रुपए का नायलॉन मांजा जब्त किया।

पैसे लेकर भी 'जानकारी' डकार गए अधिकारी

गोरेगांव मनपा जलकार्य कार्यालय बना भ्रष्टाचार का गढ़

- मुख्य कार्यकारी अभियंता के नेतृत्व में जानकारी ना देकर मामला दबाने का खेल
- सरकारी नियमों से जानकारी पाने के लिये पैसे भरने के बाद भी सूचना देने में लापरवाही

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका के कार्यकारी अभियंता, जलकार्य (निर्माण), पश्चिम उपनगर, मुंबई मनपा गोरेगांव कार्यालय इन दिनों भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लचरता का केंद्र बन गया है। सूचना के अधिकार (RTI) के तहत मांगी गई महत्वपूर्ण जानकारियों को दबाने और आवेदकों को गुमराह करने का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि मुख्य कार्यकारी अभियंता राज विलास इंगोले के नेतृत्व में आरटीआई नियमों को ताक पर रखकर भ्रष्टाचार को संरक्षण दिया जा रहा है।

पैसे लिए पर जानकारी नहीं दी

मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि समाचार संकलन हेतु 4 मार्च 2025 को विभिन्न विकास कार्यों से संबंधित आरटीआई आवेदन दिए गए थे। प्रशासन की मांग पर 4 जुलाई 2025 को सात अलग-अलग आरटीआई के लिए नियमानुसार शुल्क (पैसे) भी जमा कर दिए गए। लेकिन हैरानी की बात है कि पैसे भरने के कई महीनों बाद भी आज तक एक भी आवेदन की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। इन अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है।

राज विलास इंगोले और उनकी टीम पर भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का आरोप

शिकायत के अनुसार, जानकारी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सचिन जाधव, विद्या शेलार, वैभव काजले, अशफाक खान और राज विलास इंगोले जैसे अधिकारियों की है। आवेदक ने जानकारी प्राप्त करने के लिए पिछले कुछ महीनों में कार्यालय के 15 से 20 चक्कर लगाए हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल खोखले आश्वासन ही मिले।

मुख्य कार्यकारी अभियंता राज विलास इंगोले से बार-बार मुलाकात के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। इंगोले हर बार अपने अधीनस्थ अभियंताओं को निर्देश देने का नाटक करते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं होती। इससे स्पष्ट है कि भ्रष्टाचार की जड़ें काफी गहरी हैं।

उच्चाधिकारियों से शिकायत, कार्रवाई का इंतजार

थक-हारकर अब इस मामले की लिखित शिकायत 24 फरवरी 2026 को ई-मेल (he@mcgm.gov.in, dyheconst.he@mcgm.gov.in और eewwconstws05.he@mcgm.gov.in) के माध्यम से उच्चाधिकारियों को भेजी गई है। साथ ही, गोरेगांव कार्यालय में शिकायत की हार्ड कॉपी भी डिस्पैच की गई है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या बीएमसी के वरिष्ठ अधिकारी अपने भ्रष्ट मातहतों पर नकेल कसेंगे या गोरेगांव में आरटीआई कानून इसी तरह दम तोड़ता रहेगा?

महाराष्ट्र बनेगा देश की पहली 1 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था

- सीएम फडणवीस ने बताया खेती से लेकर उद्योग तक का प्लान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य की अर्थव्यवस्था को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि वर्ष 2029 तक महाराष्ट्र एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा। उन्होंने विधानसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले वर्षों में यह नई ऊंचाइयों को छुएगी।

कई देशों से आगे महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि महाराष्ट्र एक अलग देश होता तो वह दुनिया की 30वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होता। उन्होंने बताया कि राज्य ने सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के मामले में ऑस्ट्रिया, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है।

दस साल में जीडीपी में बड़ी बढ़ोतरी

फडणवीस ने बताया कि वर्ष 2013-14 में महाराष्ट्र की जीडीपी करीब 16 लाख करोड़ रुपये थी, जो पिछले दस वर्षों में बढ़कर 51 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। राज्य ने लगभग 10.4 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की है। वहीं प्रति व्यक्ति आय 3.47 लाख रुपये के साथ महाराष्ट्र देश में पांचवें स्थान पर है, जबकि जनसंख्या के मामले में राज्य दूसरे स्थान पर है।

निर्यात और स्टार्टअप में भी आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र निर्यात, स्टार्टअप और वृक्षारोपण जैसे कई क्षेत्रों में देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य का कर्ज-से-जीडीपी अनुपात करीब 18.8 प्रतिशत है, जो कई राज्यों की तुलना में कम है। जिन राज्यों का यह अनुपात 25 प्रतिशत से कम होता है, उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत माना जाता है। फडणवीस ने बताया कि वर्ष 2014 में महाराष्ट्र को केंद्र सरकार से करीब 14 हजार करोड़ रुपये मिले थे, जो अब बढ़कर 87 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गए हैं। यह पहले की तुलना में पांच गुना से भी अधिक है।

पूंजी निवेश में हुई बड़ी वृद्धि

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राजकोषीय घाटा 3 प्रतिशत के भीतर और राजस्व घाटा 1 प्रतिशत से नीचे बनाए रखा है। कोविड-19 के दौरान राज्य ने कुछ कर्ज लिया, लेकिन इसका उपयोग विकास कार्यों में किया गया।

फडणवीस सरकार के घेरे में पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे

- मुक्ताईनगर जमीन प्रकरण की एसआईटी जांच
- तीन महीने में रिपोर्ट देगी समिति

देवेंद्रनाथ जैस्वार | मुंबई

जलगांव जिले के मुक्ताईनगर में राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तार के लिए जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए राज्य सरकार ने विशेष जांच दल (SIT) गठित करने की घोषणा की है। विधानसभा में दी गई जानकारी के अनुसार इस एसआईटी की अगुवाई विभागीय आयुक्त प्रवीण गडम करेंगे और समिति तीन महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी। इस पूरे मामले में राज्य के पूर्व मंत्री एकनाथ खडसे की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। खडसे इस समय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के विधायक हैं। वहीं उनकी पुत्रवधू केंद्र सरकार में भारतीय जनता पार्टी की मंत्री हैं, जिसके कारण यह मामला राजनीतिक रूप से भी चर्चा में है।

जमीन खरीद-फरोख्त को लेकर आरोप

भाजपा विधायक मंगेश चव्हाण ने विधानसभा में आरोप लगाया कि जमीन अधिग्रहण की अंतिम अधिसूचना जारी होने के बाद भी जमीन की खरीद-फरोख्त की गई। उनका कहना है कि कुछ लोगों ने भविष्य में मिलने वाले भारी मुआवजे का फायदा उठाने के लिए यह लेनदेन किया। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर जवाब देते हुए कहा कि यह मामला कई विभागों और गांवों से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसकी विस्तृत जांच आवश्यक है। उन्होंने बताया कि अब तक इस मामले में किसी को भी मुआवजा नहीं दिया गया है, इसलिए तत्काल एफआईआर दर्ज करना संभव नहीं है। मंत्री चंद्रकांत पाटील ने भी मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। सरकार का कहना है कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार के अनुसार यह मामला छह विभागों और नौ गांवों से जुड़ा हुआ है।

नशे के खिलाफ सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति

मुंबई। महाराष्ट्र में नशीले पदार्थों के खिलाफ राज्य सरकार सख्त रुख अपनाए हुए है। गृह राज्यमंत्री योगेश कदम ने बुधवार को विधान परिषद में कहा कि ड्रग्स के मामलों में सरकार की नीति पूरी तरह 'जीरो टॉलरेंस' की है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। मंत्री ने बताया कि नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में अब तक 14 केस महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत दर्ज किए जा चुके हैं। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि ड्रग्स के कारोबार को किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

महाराष्ट्र में 'किसान आईडी' पर घमासान

- निजी एजेंसियों पर कार्ड बेचने का आरोप

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र में डिजिटल कृषि व्यवस्था के तहत बनाए जा रहे 'किसान आईडी' को लेकर विधानसभा में गंभीर सवाल उठाए गए। कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने प्रश्नकाल के दौरान किसानों के संवेदनशील डेटा की सुरक्षा पर चिंता जताते हुए निजी एजेंसियों की भूमिका पर सवाल खड़े किए।वडेट्टीवार ने आरोप लगाया कि राज्य के कुछ हिस्सों में जन सेवा केंद्र (सीएससी) और अन्य निजी एजेंसियां अवैध रूप से किसान आईडी कार्ड छापकर किसानों को बेच रही हैं।

सरकार को नहीं मिली औपचारिक शिकायत

मंत्री भरणे ने बताया कि फिलहाल सरकार को इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है, लेकिन यदि अनियमितता के प्रमाण सामने आते हैं तो मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाएगी।

डेटा लीक और साइबर खतरे की आशंका

वडेट्टीवार ने कहा कि किसान आईडी में किसानों की व्यक्तिगत जानकारी के साथ-साथ उनके बैंक खातों का विवरण भी शामिल होता है। ऐसे में यदि यह डेटा किसी निजी संस्था के हाथों में जाता है तो साइबर हैकिंग या डेटा चोरी का बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। इन आरोपों का जवाब देते हुए राज्य के कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने स्पष्ट किया कि सरकार ने किसान आईडी कार्ड को आधिकारिक रूप से छापने या बेचने की कोई व्यवस्था नहीं की है।

राहत | तापमान में 5–7 डिग्री गिरावट की संभावना

आज से मुंबई हो जाएगी कूल

अरब सागर की ओर बढ़ा एंटी साइक्लोन

मुंबई। पिछले कुछ दिनों से शहर में पड़ रही भीषण गर्मी और 'लू' जैसे हालात से अब मुंबईकरों को राहत मिलने वाली है। अरब सागर की ओर बढ़ते एंटी-साइक्लोन के कारण तापमान में गिरावट दर्ज होने की संभावना जताई जा रही है। हाल के दिनों में मुंबई का पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था, जिससे जनजीवन काफी प्रभावित हुआ। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान और गुजरात से आने वाली गर्म और शुष्क हवाओं का प्रभाव अब कम होने लगा है। गुरुवार से शहर के तापमान में करीब 5 से 7 डिग्री तक गिरावट आने की संभावना है, जिससे लोगों को झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिलेगी।

एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम बना वजह

मौसम विभाग के मुताबिक यह गर्मी उस एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण बढ़ी थी, जो राजस्थान से होते हुए गुजरात और फिर उत्तरी महाराष्ट्र की ओर बढ़ा था। इसके चलते समुद्र की ठंडी हवाएं शहर तक नहीं पहुंच पा रही थीं और गर्म हवाओं का असर बढ़ गया था। अब यह सिस्टम अरब सागर की ओर खिसक गया है, जिससे समुद्री हवाओं का प्रवाह दोबारा शुरू होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

आईवीएफ डोनर और महिलाओं की जानकारी गुप्त रखने के निर्देश

मुंबई। आईवीएफ सेंटर के डोनर और प्रसूति के लिए अस्पताल आने वाली महिलाओं की जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखने के निर्देश दिए जाएंगे। विधान परिषद में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान प्रदेश के गृह राज्य मंत्री (शहरी) योगेश कदम ने यह जानकारी दी। शिवसेना (उद्धव) के विधायक मिलिंद नार्वेकर ने गोवंडी और मानखुर्द में नवजात बच्चों की कथित बिक्री को लेकर सवाल उठाया था। इसके जवाब में कदम ने बताया कि गोवंडी के एक निजी अस्पताल के डॉक्टर समेत आरोपियों के खिलाफ गोवंडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और पांचों आरोपियों के विरुद्ध अदालत में आरोपपत्र भी दाखिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बच्चों की बिक्री में यदि किसी परिवार की संलिप्तता पाई जाती है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी और जरूरत पड़ने पर कानून में संशोधन करने पर भी सरकार विचार करेगी।

लंदन में बनेगा छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर वैश्विक मराठी भाषा केंद्र

मुंबई। लंदन में छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर वैश्विक मराठी भाषा केंद्र स्थापित किया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार की ओर से लंदन के महाराष्ट्र मंडल को 5 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी। विधान परिषद में बुधवार को मराठी भाषा मंत्री उदय सामंत ने यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि दुनिया में मातृभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए यह पहला वैश्विक केंद्र होगा, जो मराठी भाषा और संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का काम करेगा। सदन में कांग्रेस विधायक भाई जगताप ने नियम-93 के तहत मराठी भाषा भवन का मुद्दा उठाया था। इसके जवाब में सामंत ने बताया कि मुंबई में मराठी भाषा भवन के निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जबकि नवी मुंबई के एरोली में मराठी भाषा भवन का उपकेंद्र बनाने के लिए 35 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

छात्रावासों में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के निर्देश

मुंबई। प्रदेश के सभी जिलों के जिलाधिकारियों को छात्रावासों में गैस सिलेंडर की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। विधान परिषद के सभापति राम शिंदे ने बुधवार को सदन में यह निर्देश देते हुए कहा कि राज्य में परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं, इसलिए छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों को भोजन की व्यवस्था प्रभावित नहीं होनी चाहिए। सदन में भाजपा विधायक प्रसाद लाड ने छात्रावासों में गैस सिलेंडर नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को भोजन नहीं मिलने का मुद्दा उठाया था। वहीं शिवसेना (उद्धव) के विधायक सचिन अहिर ने कहा कि घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत हो गई है, इसलिए सरकार को इस विषय पर अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए।

फरार पप्पू पेजर को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

इंटरनेशनल बेकरी में फायरिंग की कोशिश से मचा था हड़कंप

विनय दुबे । भाईंदर

मीरा-भाईंदर के व्यस्त काशीमीरा नाके स्थित इंटरनेशनल बेकरी में 13 अक्टूबर 2023 की सुबह करीब 10 बजे एक अज्ञात हमलावर दुकान में घुस आया और पिस्टल निकालकर कर्मचारी पर तान दी। आरोपी ने फायर करने की कोशिश की, लेकिन गोली फंस जाने के कारण फायर नहीं हो सका और वह मौके से फरार हो गया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई थी और व्यापारियों में दहशत का माहौल बन गया था।

गुप्त सूचना पर एयरपोर्ट के पास बिछाया जाल

एमबीवीवी पुलिस की क्राइम ब्रांच यूनिट-1 के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुशीलकुमार शिंदे को गुप्त सूत्रों से जानकारी मिली कि पप्पू पेजर विदेश से वापस भारत आने वाला है। इसके बाद पुलिस ने मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास जाल बिछाया और उसे हिरासत में लेने में सफलता हासिल की।

जांच में सामने आई संगठित गिरोह की साजिश

मामले की जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि यह वारदात मुंबई के एक संगठित आपराधिक गिरोह की साजिश का हिस्सा थी। जांच में गिरोह के सरगना निसार अहमद फजल अहमद शेख उर्फ पप्पू पेजर का नाम सामने आया, जो घटना के बाद विदेश फरार हो गया था और लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था।

पहले ही गिरफ्तार हो चुके थे गिरोह के तीन सदस्य

पुलिस उपायुक्त (क्राइम) संदीप डोईफोड़े ने बताया कि इस मामले में पहले ही गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका था। पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया था कि मुख्य आरोपी पप्पू पेजर दुबई और सऊदी अरब में छिपकर रह रहा था।

कई थानों में दर्ज हैं गंभीर मामले

पुलिस के अनुसार काशीमीरा समेत मुंबई के कई पुलिस थानों में पप्पू पेजर के खिलाफ कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी को पुलिस ने बड़ी सफलता माना है और आगे की जांच जारी है।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने छत्रपति शिवाजी महाराज को किया नमन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्यपाल पद का कार्यभार संभालने के बाद पहले ही दिन बुधवार को महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने मुंबई के दादर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की अश्वारूढ़ प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुंबई की महापौर रितु तावडे भी उपस्थित थीं। इसके बाद राज्यपाल वर्मा ने चैत्यभूमि जाकर भारत रत्न डॉ बीआर आंबेडकर को स्मरण किया। राज्यपाल की उपस्थिति में त्रिशरण बुद्ध वंदना का आयोजन किया गया।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर मुंबई की महापौर रितु तावडे, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महापरिनिर्वाण दिन समन्वय समिति के महासचिव नागसेन कांबले उपस्थित थे। इस मौके पर भारतीय बौद्ध महासभा के प्रताप कांबले, भिकाजी कांबले और प्रतीक कांबले ने राज्यपाल को संविधान की प्रति भेंट की। इसके बाद राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने वीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक का भी दौरा किया और सावरकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। यहां राज्यपाल को वीर सावरकर की प्रतिमा तथा सावरकर पर आधारित ग्रंथ भेंट किए गए।

ऑटो-टैक्सी परमिट पर अस्थायी रोक से ठाणे आरटीओ में प्रक्रिया बंद

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

राज्य सरकार ने ऑटो रिक्शा और टैक्सी परमिट की ओपन पॉलिसी को फिलहाल सस्पेंड कर दिया है, जिसका असर ठाणे क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय पर भी पड़ा है। परिवहन आयुक्त कार्यालय के आदेश के अनुसार नए रिक्शा और टैक्सी परमिट जारी करने की प्रक्रिया अगले आदेश तक रोक दी गई है और एलओआई सिस्टम को भी निष्क्रिय कर दिया गया है।

ठाणे में पहले से बड़ी संख्या में रिक्शा

ठाणे आरटीओ के आंकड़ों के मुताबिक शहर और आसपास के इलाकों में वर्तमान में 73,672 ऑटो रिक्शा परमिट दर्ज हैं, जबकि 503 टैक्सी परमिट पंजीकृत हैं। अधिकारियों का मानना है कि क्षेत्र में पहले से ही रिक्शा की बड़ी संख्या मौजूद है, जिससे यातायात और प्रतिस्पर्धा से जुड़ी समस्याएं बढ़ रही हैं।

ट्रैफिक और आय पर असर को लेकर उठी थी मांग

रिक्शा संगठनों का कहना था कि लगातार बढ़ती संख्या के कारण ट्रैफिक जाम बढ़ रहा है और ड्राइवरों की आय भी प्रभावित हो रही है। इसी कारण कई संगठनों ने नए परमिट जारी करने पर रोक लगाने की मांग की थी, जिसे सरकार ने फिलहाल स्वीकार कर लिया है।

क्या है मामला ?

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद सरकार ने ओपन पॉलिसी को अस्थायी रूप से सस्पेंड करने का निर्णय लिया। इसके तहत सभी आरटीओ और उप आरटीओ कार्यालयों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं कि नए परमिट से जुड़ी प्रक्रिया रोक दी जाए। मुख्य आरटीओ अधिकारी हेमांगिनी पाटिल ने बताया कि अगले आदेश तक नए परमिट से जुड़ी कोई भी प्रक्रिया लागू नहीं की जाएगी। वहीं रिक्शा संगठनों ने इस फैसले को राहत देने वाला बताया है, जबकि नया परमिट लेने की उम्मीद कर रहे ड्राइवरों को अब कुछ समय और इंतजार करना पड़ेगा।

10 किलो सोने के बदले मिली संपत्ति पर विवाद

दुकान तोड़ने के बाद मारपीट, 12 से अधिक लोगों पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

शहर में वर्षों पुराने संपत्ति विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। 10 किलो सोने के बदले मिली संपत्ति को लेकर हुए विवाद में तोड़फोड़ और मारपीट का मामला सामने आया है। विट्ठलवाड़ी पुलिस ने ट्रेसपासिंग, मारपीट और धमकी देने के आरोप में 12 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मनपा की कार्रवाई के बाद बढ़ा तनाव

बताया गया कि इस संपत्ति को लेकर मामला अदालत में विचाराधीन है और वर्ष 2025 में इसकी याचिका भी दाखिल की गई है। इसी बीच एक महिला की शिकायत पर महानगरपालिका ने अवैध निर्माण का नोटिस जारी कर 5 मार्च 2026 को अतिक्रमण विभाग के माध्यम से दोनों दुकानों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई कर दी। पीड़ित का आरोप है कि मामला अदालत में लंबित होने के बावजूद उनकी आपत्ति सुने बिना यह कार्रवाई की गई।

सामान निकालने को लेकर हुई मारपीट

घटना के अनुसार 10 मार्च 2026 की सुबह करीब 10:30 बजे कुछ लोग टेम्पो लेकर ब्लॉक नंबर 530 पहुंचे और पहले से तोड़ी गई दुकानों से सामान बाहर निकालने लगे। घर में मौजूद शिकायतकर्ता की बेटी ने इसका विरोध किया तो आरोप है कि अशोक पवार, कांचन टापरिया, कांचन सुर्वे, निखिल कदम और अशोक राठौड़ सहित अन्य लोगों ने उसके साथ धक्का-मुक्की और अभद्र व्यवहार किया। बीच-बचाव करने पहुंचे दिनेश मोतिरामानी के साथ भी मारपीट की गई और जगह खाली करने की धमकी दी गई।

दुबई की कमाई से खरीदा था सोना

शिकायतकर्ता दिनेश मोतिरामानी के अनुसार उन्होंने दुबई में नौकरी के दौरान अपनी कमाई से करीब 10 किलो सोना खरीदा था और उसे भारत लाते समय विधिवत कस्टम ड्यूटी भी अदा की थी। वर्ष 1999 में उन्होंने यह सोना अपनी पत्नी के काका गुरमुख परमानंद मनकानी को दिया था, जिसके बदले उल्हासनगर के ब्लॉक नंबर C-530 में रूम नंबर 1059 और 1060 समेत करीब 4650 वर्गफुट की संपत्ति उन्हें दी गई थी।

25 हजार का सामान गायब, पुलिस जांच शुरू

पीड़ित परिवार के अनुसार पुलिस के पहुंचने के बाद जब वे वापस मौके पर गए तो करीब 25 हजार रुपये का सामान गायब मिला, जिसमें एसी के कंप्रेसर, कॉपर कॉइल और कॉपर पाइप शामिल हैं। साथ ही वाईफाई, सीसीटीवी और बिजली कनेक्शन भी काट दिए गए थे। विट्ठलवाड़ी पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी अशोक पवार एक सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी हैं और पुलिस इस पहलू की भी जांच कर रही है।

प्रॉपर्टी टैक्स पेनल्टी पर 90% छूट

मेयर ने नागरिकों से लाभ उठाने की अपील की

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका (TMC) क्षेत्र के करदाताओं को राहत देने के लिए प्रॉपर्टी टैक्स पर लगने वाली पेनल्टी और ब्याज में 90 प्रतिशत तक छूट देने की योजना लागू की गई है। बुधवार को मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने मेयर कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नागरिकों से इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने और बकाया प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने की अपील की।

मनपा के कलेक्शन सेंटर पर भुगतान की सुविधा

मनपा प्रशासन के अनुसार, वार्ड कमिटी स्तर के सभी कलेक्शन सेंटरों पर कार्यदिवस में सुबह 10:30 बजे से शाम 5 बजे तक टैक्स जमा किया जा सकता है। वहीं शनिवार, रविवार और सार्वजनिक अवकाश के दिन सुबह 10:30 बजे से शाम 4 बजे तक भुगतान की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मेयर ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य नागरिकों को बकाया निवासी संपत्ति कर भरने के लिए प्रेरित करना है, ताकि मनपा की राजस्व वसूली बढ़े और शहर के विकास कार्यों को गति मिल सके।

12 से 25 मार्च तक लागू रहेगी योजना

मनपा के टैक्सेशन रूल 41(1) के तहत यह योजना 12 मार्च से 25 मार्च 2026 तक लागू रहेगी। इस अवधि में जो करदाता अपना बकाया प्रॉपर्टी टैक्स और चालू वर्ष के टैक्स का कुल 10 प्रतिशत मनपा में जमा करेंगे, उन्हें पेनल्टी में 90 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधिकारी रहे मौजूद

मेयर हॉल में आयोजित इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में गटनेता पवन कदम और उप आयुक्त जी.जी. गोडेपुरे भी मौजूद रहे। इस दौरान मनपा प्रशासन ने योजना की जानकारी देते हुए नागरिकों को समय पर टैक्स भरने के लिए प्रोत्साहित किया।

नागरिकों की मांग पर लिया गया फैसला

मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने बताया कि कई करदाताओं ने रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी टैक्स पर लगने वाले इंटरेस्ट और पेनल्टी में राहत देने की मांग की थी। इसके बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और मनपा आयुक्त सौरभ राव से चर्चा कर यह निर्णय लिया गया।

कोपरी में करोड़ों की निधि पर उठे सवाल

चुनाव के बाद विकास कार्यों पर चर्चा तेज

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मनपा चुनाव खत्म होने के बाद अब ठाणे पूर्व के कोपरी प्रभाग समिति क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पिछले साढ़े चार साल में इस वार्ड के लिए करोड़ों रुपये मंजूर किए गए, लेकिन यह रकम कहां और किस काम में खर्च हुई, इसका स्पष्ट हिसाब अब तक सामने नहीं आया है।

मीठाबंदर रोड की 'खाऊ गली' बनी चर्चा का विषय

सबसे ज्यादा चर्चा मीठाबंदर रोड पर विसर्जन घाट की ओर जाने वाले मार्ग पर बनाई गई "खाऊ गली" के रेडीमेड स्टॉल को लेकर हो रही है। करीब दो से ढाई साल पहले लाखों रुपये खर्च कर यहां मूवेबल स्टॉल लगाए गए थे। उस समय मनपा ने इसे एक व्यवस्थित फूड स्ट्रीट के रूप में विकसित करने का दावा किया था।

सफाई और रखरखाव का अभाव

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टॉल के आसपास सफाई और रखरखाव की भी भारी कमी है। कई जगहों पर कचरा जमा दिखाई देता है, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की हालत खराब हो गई है। नागरिकों का आरोप है कि लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद यह योजना धरातल पर सफल नहीं हो सकी।

नागरिकों ने की जांच की मांग

पर्यावरण प्रेमी प्रशांत सिनकर ने कहा कि जनता के पैसे से बनाए गए ये स्टॉल आज खराब हालत में पड़े हैं, जो चिंता का विषय है। स्थानीय नागरिकों की मांग है कि कोपरी वार्ड में हुए सभी विकास कार्यों की विस्तृत जांच कर करोड़ों रुपये की निधि का पूरा ब्योरा सार्वजनिक किया जाए।

खराब हालत में पड़े हैं स्टॉल

हालांकि योजना की कमी के कारण यह प्रोजेक्ट कभी सही तरीके से शुरू ही नहीं हो पाया। आज स्थिति यह है कि सरकारी पैसे से लगाए गए कई स्टॉल जर्जर हालत में पड़े हैं। कई स्टॉल का ढांचा टूट चुका है और अंदर का सामान भी खराब दिखाई दे रहा है।

...और गिर गया 23 साल पुराना हरा-भरा पेड़

ऑटो रिक्शा क्षतिग्रस्त

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

शहर के मोदी पटेल रोड पर अचानक एक 23 साल पुराना आकेशिया का पेड़ गिर गया। कमजोर हो चुकी जड़ें पेड़ का भार नहीं सह सकीं और हरा-भरा दिखने वाला पेड़ देखते ही देखते धराशायी हो गया। पेड़ गिरने से सड़क किनारे खड़ा एक ऑटो रिक्शा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि चालक विपुल सिंह घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर करीब तीन बजे के आसपास यह घटना हुई। अचानक पेड़ गिरने से कुछ समय के लिए इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ और किसी को गंभीर चोट नहीं आई। पेड़ सड़क के बीचों-बीच गिरने से काफी देर तक यातायात बाधित रहा। सूचना मिलते ही दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और पेड़ को काटकर रास्ते से हटाया, जिसके बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका।

पूर्व नगरसेवक ने जताई नाराजगी

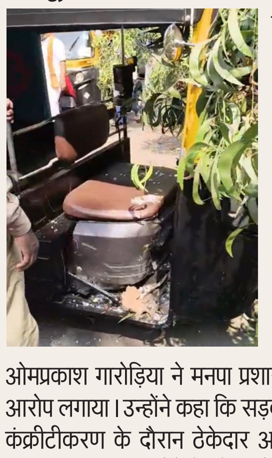

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में प्रशासन के खिलाफ नाराजगी भी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि समय रहते पेड़ों की जांच और देखभाल नहीं होने के कारण ऐसे हादसे सामने आते हैं। स्थानीय पूर्व नगरसेवक ओमप्रकाश गारोड़िया ने मनपा प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सड़क के डामरीकरण और कंक्रीटीकरण के दौरान ठेकेदार अक्सर पेड़ों के तनों के आसपास मलबा भर देते हैं और उसे हटाने की जहमत नहीं उठाते। इससे पेड़ों की जड़ें धीरे-धीरे कमजोर हो जाती है और अंततः पेड़ गिरने की नौबत आ जाती है।

विधान भवन में प्रगतिशील महिला किसानों का हुआ सम्मान

महिला किसान वर्ष के अवसर पर विशेष आयोजन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और 'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026' के उपलक्ष्य में मुंबई स्थित विधान भवन में 'महिला किसानों का सशक्तिकरण' विषय पर विशेष चर्चा सत्र आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिला किसानों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा अजित पवार, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और विधान परिषद के सभापति प्रा. राम शिंदे भी उपस्थित रहे। साथ ही एम. एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की अध्यक्षा डॉ. सौम्या स्वामीनाथन की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष महत्व दिया।

प्रगतिशील महिला किसानों को मिला सम्मान

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न विभागों से आई प्रगतिशील महिला किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इन महिला किसानों ने आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के माध्यम से खेती में नई सफलताएं हासिल कर अपनी आय में वृद्धि की है। कार्यक्रम में कोंकण विभाग की भूमिका शिर्के, पुणे विभाग की स्वाती शिंगाडे, कोल्हापुर विभाग की अरुंधती पाटील, लातूर विभाग की वृंदावनी यादव, अमरावती विभाग की गंगूबाई ठेंग, रत्नागिरी जिले की नेहा शेट्ये और मयुरी जाधव को सम्मानित किया गया। इसके अलावा नागपुर के 'मराठव "हाड दूध उत्पादक संघ' से जुड़ी रुपाली शिंदे और वर्षा चव्हाण को भी उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान मिला।

तिलक भवन में सर्वधर्मीय इफ्तार पार्टी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पवित्र रमजान माह के अवसर पर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से बुधवार को दादर स्थित टिळक भवन में सर्वधर्मीय इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर सामाजिक एकता, भाईचारे और सर्वधर्म समभाव का संदेश दिया। इस कार्यक्रम में हर्षवर्धन सपकाळ मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ सचिन सावंत, वजाहत मिर्ज़ा, शिवराज मोरे, सिद्धार्थ हत्तीअंबिरे, संदेश कोंडविलकर, शाह आलम शेख, निज़ामुद्दीन राईन, जावेद फारुकी और जिशान अहमद सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

भाईचारे और सद्भाव का संदेश

इफ्तार कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि रमजान का महीना आपसी प्रेम, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है। ऐसे आयोजनों से समाज में एक-दूसरे के प्रति विश्वास और आपसी सद्भाव मजबूत होता है। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने देश में शांति, सद्भावना और सामाजिक सौहार्द कायम रहने की दुआ की। वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में समाज में एकता और भाईचारे को बनाए रखना बेहद जरूरी है।

गैस की कालाबाजारी की तो जाना होगा जेल

छगन भुजबल ने अधिकारियों को दिए छापेमारी के आदेश

विक्रेताओं की होगी कड़ी जांच

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने कहा है कि रसोई गैस सिलेंडर की कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि गैस सिलेंडर की अवैध बिक्री पर कड़ी नजर रखी जाए और दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए। भुजबल ने मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि होटल व्यवसायियों ने उनसे मुलाकात कर कमर्शियल गैस सिलेंडर की सप्लाई बंद होने पर चिंता जताई है।

होटल संचालकों ने गैस की कमी और कालाबाजारी की समस्या भी उनके सामने रखी। मंत्री भुजबल ने कहा कि होटलों के लिए गैस सप्लाई से संबंधित केंद्र सरकार की गाइडलाइन में राज्य सरकार कोई बदलाव नहीं कर सकती। केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर की सप्लाई को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है, इसलिए फिलहाल उसी के अनुसार व्यवस्था की जा रही है।

गैस उत्पादन बढ़ाने का दिया गया आदेश

उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य सरकार और गैस कंपनियों को पत्र भेजकर गैस उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत घरेलू गैस की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

होटलों को केरोसिन के प्रयोग की सलाह

भुजबल ने कहा कि होटल व्यवसायियों से केरोसिन का उपयोग करने की अपील की गई थी, लेकिन होटल संचालकों का कहना है कि ऐसा करने के लिए उन्हें अपनी मशीनों में बदलाव करना पड़ेगा।

हर विक्रेता की होगी जांच

मंत्री ने स्पष्ट किया कि गैस सिलेंडर की कालाबाजारी रोकने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। हर गैस विक्रेता की जांच की जाएगी ताकि अवैध बिक्री और जमाखोरी पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके।

विधानभवन के बाहर युवक ने किया आत्मदाह का प्रयास

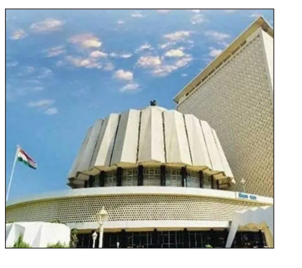

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानमंडल का बजट सत्र जारी रहने के बीच बुधवार को विधानभवन के बाहर उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक ने आत्मदाह का प्रयास किया। इस घटना से कुछ देर के लिए पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया।

मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण मुंबई के उषा मेहता चौक स्थित विधानभवन के मुख्य प्रवेशद्वार के पास एक युवक ने अचानक अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाल लिया। इससे पहले कि वह आग लगा पाता, वहां तैनात पुलिसकर्मियों ने तुरंत हस्तक्षेप कर उसे पकड़ लिया और काबू में कर लिया।

पुलिस के अनुसार हिरासत में लिए गए युवक की पहचान 38 वर्षीय दादासो बबन कालसैत के रूप में हुई है। वह सोलापुर जिले के माढा तालुका के टाकली गांव का निवासी बताया गया है। घटना के बाद उसे मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

प्रतिमा हटाए जाने से था नाराज

प्राथमिक जांच में सामने आया है कि कुछ समय पहले लोहार समाज की जमीन पर अवैध रूप से स्थापित विश्वकर्मा की प्रतिमा को प्रशासन ने हटा दिया था। इसी बात से नाराज होकर कालसैत ने यह कदम उठाने की कोशिश की। मुंबई पुलिस ने दादासो कालसैत के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 226 के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल पुलिस इस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।बताया जा रहा है कि यह पहली बार नहीं है जब विधानभवन के बाहर आत्मदाह का प्रयास हुआ हो। इससे पहले भी विभिन्न मांगों को लेकर कुछ लोग ऐसा कदम उठाने की कोशिश कर चुके हैं, हालांकि पुलिस की सतर्कता से हर बार बड़ा हादसा टल जाता है।

विधानसभा में एमआईडीसी जमीन आवंटन पर हंगामा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा में MIDC की जमीन आवंटन को लेकर जोरदार हंगामा देखने को मिला। कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने अहिल्यानगर में MIDC की करीब 4 हजार एकड़ जमीन निजी और कॉर्पोरेट कंपनियों को देने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इतनी कीमती जमीन बेहद कम कीमत पर ट्रांसफर की गई है, जिससे स्थानीय किसानों में चिंता और नाराजगी बढ़ रही है। वडेट्टीवार ने सदन में दावा किया कि जमीन आवंटन की पूरी प्रक्रिया में कई सरकारी नियमों की अनदेखी की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पारदर्शिता के बड़े पैमाने पर जमीन निजी कंपनियों को सौंपने की कोशिश की जा रही है, जिससे किसानों के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं।

सरकार ने एसआईटी जांच का दिया भरोसा

सरकार ने मानी प्रक्रिया में खामियां

आरोपों पर जवाब देते हुए राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि सरकार इस मामले से पूरी तरह अवगत है। उन्होंने माना कि जमीन के म्यूटेशन और ट्रांसफर की प्रक्रिया में कुछ खामियां और गलतियां सामने आई हैं, जिनकी जांच कराई जाएगी। बावनकुले ने सदन में घोषणा की कि पूरे मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया जाएगा। यह टीम तलाठी से लेकर वरिष्ठ राजस्व अधिकारियों तक हर स्तर पर जवाबदेही तय करेगी और यदि कोई गड़बड़ी पाई जाती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आदिवासी जमीन की सुरक्षा का भरोसा

मंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार MIDC की जमीन का गलत इस्तेमाल बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र लैंड रेवेन्यू कोड के तहत आदिवासियों की जमीन सुरक्षित रहेगी। यदि किसी पुराने आदेश से इन नियमों का उल्लंघन हुआ है तो उसकी समीक्षा की जाएगी और कानूनी विशेषज्ञों की मदद भी ली जाएगी।

किसानों के अधिकार और विकास पर जोर

सदन में चर्चा के दौरान कई सदस्यों ने खेती की जमीन पर कंपनियों द्वारा कब्जा किए जाने की आशंका जताई। इस पर मंत्री ने कहा कि औद्योगिक विकास और किसानों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है। जमीन आवंटन की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और इसका लाभ राज्य तथा किसानों को मिलना चाहिए। इस मामले को आगे की जांच के लिए कैबिनेट की उप-समिति को भी भेजा जाएगा।

'फ्रीडम ऑफ़ रिलिजन एक्ट' का सिविल सोसाइटी ने जताया विरोध

दीपक पवार । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार के प्रस्तावित 'फ्रीडम ऑफ़ रिलिजन एक्ट, 2026' को लेकर कई सिविल सोसाइटी संगठनों ने चिंता जताई है। लगभग 35 सामाजिक संगठनों, महिला अधिकार समूहों और संवैधानिक अधिकारों के समर्थकों ने चेतावनी दी है कि यदि यह कानून लागू किया गया तो प्रगतिशील महाराष्ट्र के लोग इसका विरोध करेंगे।

प्रेस क्लब मुंबई में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ और अधिवक्ता लारा जैस्मिन ने कहा कि यह कानून धर्म परिवर्तन और अंतरधार्मिक रिश्तों को नियंत्रित करने की कोशिश करता है, जिससे समाज में अविश्वास और सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि यह कानून नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर असर डाल सकता है।

तीस्ता सीतलवाड़ ने कहा कि भारतीय संविधान नागरिकों को अपने धर्म को मानने, बदलने और जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्रता देता है। उन्होंने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान ने धर्म से जुड़े अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, इसलिए ऐसे नए कानून की आवश्यकता नहीं है।

5 मार्च को कैबिनेट ने दी थी मंजूरी

महाराष्ट्र कैबिनेट ने 5 मार्च 2026 को इस प्रस्तावित कानून के ड्राफ्ट को मंजूरी दी थी। सरकारी सूत्रों के अनुसार यह कानून अन्य राज्यों में लागू धर्मांतरण विरोधी कानूनों से अधिक सख्त हो सकता है। मीडिया रिपोट्र्स के मुताबिक इसे विधानसभा के बजट सत्र में पेश किए जाने की संभावना है।

ड्राफ्ट सार्वजनिक न होने पर उठे सवाल

प्रेस कॉन्फ्रेंस में अधिवक्ता लारा जैस्मिन ने कहा कि अब तक इस कानून का ड्राफ्ट सार्वजनिक नहीं किया गया है। उन्होंने इसे पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिहाज से चिंताजनक बताया। इस मौके पर कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे और उन्होंने कानून के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

एलपीजी कीमत बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस का राज्यव्यापी आंदोलन आज

देवेंद्रनाथ जैस्वार । मुंबई

एलपीजी गैस की कीमतों में बढ़ोतरी और गैस की कमी के मुद्दे पर कांग्रेस ने गुरुवार 12 मार्च को राज्यभर आंदोलन करने की घोषणा की है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष (संगठन व प्रशासन) एड. गणेश पाटील ने बताया कि घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ पार्टी पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन करेगी।

कांग्रेस के अनुसार केंद्र सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए और व्यावसायिक सिलेंडर में 115 रुपए की बढ़ोतरी की है। पार्टी का कहना है कि महंगाई से पहले ही परेशान जनता पर यह अतिरिक्त बोझ डाला गया है, जिससे आम लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

राज्य के सभी जिलों में होगा प्रदर्शन

कांग्रेस ने मांग की है कि गैस सिलेंडर की कीमतों में की गई बढ़ोतरी तुरंत वापस ली जाए और घरेलू व व्यावसायिक उपभोक्ताओं को पर्याप्त गैस उपलब्ध कराई जाए। इन मांगों को लेकर कांग्रेस के नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता राज्य के सभी जिलों में गुरुवार को आंदोलन करेंगे।

गैस की कमी से होटल कारोबार प्रभावित

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि गैस की कमी के कारण कई जगहों पर होटल और खानावलों को बंद करने की नौबत आ रही है। गैस बुकिंग की अवधि बढ़ने और सप्लाई में कमी के कारण लोगों को गैस के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के पास गैस और ईंधन आपूर्ति को लेकर कोई ठोस योजना नहीं है। खाड़ी क्षेत्र में युद्ध जैसी परिस्थितियों का हवाला देकर गैस की कमी बताई जा रही है, जबकि जमीनी स्तर पर लोगों को गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

पश्चिम रेलवे
रखरखाव कार्य
वरिष्ठ मुख्य डिपो अधिकारी (ICD), मुंबई सेंट्रल ई- निविदा सूचना क्रमांक : M137-BDTS-ACWP दिनांक : 06.03.2026 आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम :** कोचिंग डिपो बांद्रा टर्मिनस में ऑटोमैटिक कोच वॉशिंग प्लांट (ACWP) का एकमुश्त मरम्मत कार्य, साथ ही 05 वर्षों के लिए व्यापक वार्षिक रखरखाव एवं संचालन (CAMOC)। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹ 99,57,532.24 (सभी कर सहित) **ईएमडी:** ₹ 1,99,200/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 03.04.2026, 15:00 बजे तक विस्तृत जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। 1208
Like us on: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल
विद्युतीय कार्य
निविदा सूचना सं. आरआर/पीआर/एसएनपीडी/339/25-26/40। कार्य का विवरण : 24माह की अवधि के लिए एएएल (AAL) निर्मित वैक्यूम सर्किट ब्रेकर (VCB) का ओवरहॉलिंग कार्य। **अनुमानित लागत :** ₹ 24766628.58/-, **ई एम डी:** ₹ 273800/-; **निविदा प्रपत्रका शुल्क :** NIL. **समापन अवधी :** 24 महीने, **निविदा जमा करने की तिथि एवं अवधी :** 31.03.2026, 13.30 बजे तक। **बोली शुरू करने की तारीख :** 17.03.2026। टेंडर केवल ई-टेंडरिंग में वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। टेंडर पंजिका वेबसाइट में उपलब्ध है।
अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे 986

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
लिफ्ट व एस्केलेटर कार्य
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर, सामान्य, मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा क्रं :** सोला/वि/नि/2025/29। **कार्य का नाम :** 3 रेलवे स्टेशन पिरसर में स्थित एस्केलेटर/लिफ्ट जैसी संपत्तियों का रखरखाव, संचालन और कर्मचारियों की तैनाती 2 वर्ष की अवधि के लिए। **कार्य की लागत :** ₹ 1,01,73,404.10/-। **बोली प्रतिभूति :** ₹ 2,00,900/-। **कार्य पुरा करने की अवधि :** 24 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद करने की तिथि और समय :** दि. 02.04.2026 को 15.00 बजे। बोली प्रतिभूति राशि की रकम का भुगतान ई-पेमेंट द्वारा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर करना है। EXP-11
टिकट के लिए RailOne App डाउनलोड करे

मध्य रेल
सोलापुर मण्डल
विद्युत कार्य
भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई प्रोक्यूरमेंट वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा क्रं :** सोला/जी.एस.यू/क.वि./नि/2025/01R1। **कार्य का नाम :** सोलापुर डिवीजन में दौंड-सोलापुर सेकशन के किमी 387/3-4 पर एलसी-40 और किमी 391/8-9 पर एलसी-42 के स्थान पर 2 लेन आरओबी के प्रस्तावित निर्माण के संबंध में विद्युत टीआारडी कार्य। (पुनर्निविदा) **अनुमानित लागत :** ₹ 62,47,420.20। **बयाना राशि :** ₹ 1,25,000/-। **कार्य पुरा करने की अवधि :** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **वेबसाइट पर निविदा बंद होने की तिथि और समय :** दि. 06.04.2026 को 15.00 बजे। EXP-09
टिकट के लिए RailOne App डाउनलोड करे

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
के.ई.एम. अस्पताल, परेल, मुंबई – 400012
ई-निविदा सूचना
क्रमांक : KEMH/6201/AEME दिनांक : 11.03.2026
यह एक ई-निविदा सूचना है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए आइटम रेट आधार / प्रतिशत रेट आधार पर पात्र ठेकेदारों से ऑनलाइन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र. सं.	कार्य का नाम	बयाना राशि - रु.	बोली शुरू होने की तिथि एवं समय	बोली समाप्त होने की तिथि एवं समय
1.	2	3	4	5
1.	केईएम अस्पताल में गायनेक स्टोर रूम के लिए आवश्यक कार्य एवं अन्य संबंधित मरम्मत कार्य **2026_MCGM_1285829_1**	रु. 20000/-	11.03.2026 (17:00)	18.03.2026 (17:00)
2.	केईएम अस्पताल में हॉस्पिटल आईटी सिस्टम हेतु ऑपरेशनल कंज्यूमेबल्स की आपूर्ति **2026_MCGM_1285835_1**	रु. 50000/-	11.03.2026 (17:00)	18.03.2026 (17:00)
3	केईएम अस्पताल के एमएस बिल्डिंग स्थित 12वीं मंजिल स्पोर्ट्स सेंटर में सुरक्षा प्रणाली के लिए सर्विलांस एक्सेसरीज़ का उपयोग **2026_MCGM_1285832_1**	रु. 9000/-	11.03.2026 (17:00)	18.03.2026 (17:00)
4	पैकेट 'A' : पात्रता मानदंड	19.03.2026	11:00 Hrs	
5	पैकेट 'B' : तकनीकी निविदा	19.03.2026	11:00 Hrs	
6	पैकेट 'C' : वाणिज्यिक निविदा	निर्धारित कार्यक्रमानुसार		

इच्छुक निविदाकार निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए (http://mahatender.gov.in) वेबसाइट पर जाएं। इस निविदा सूचना से संबंधित कोई भी संशोधन / परिशिष्ट (Corrigendum) केवल उक्त पोर्टल पर ही प्रकाशित किया जाएगा। स्थानीय समाचार पत्रों में कोई संशोधन प्रकाशित नहीं किया जाएगा।
निविदा दस्तावेज डाक द्वारा जारी अथवा स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
हस्ता/-
सहायक अभियंता (M&E)
के.ई.एम. अस्पताल
पीआरओ/3257/विज्ञा./2025-26
समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
घन कचरा प्रबंधन विभाग (योजना)
क्र. उप मुख्य अभियंता/7511/SWM/योजना दिनांक : 11.03.2026
ई-निविदा सूचना

विषय	:	शहर क्षेत्र में घरेलू सैनिटरी कचरा तथा विशेष देखभाल कचरा संग्रहण हेतु पीले रंग के बैग की आपूर्ति।
विभाग	:	घन कचरा प्रबंधन विभाग / उप मुख्य अभियंता (SWM) योजना
निविदा आईडी	:	2026-MCGM-1285858-1
बिड प्रारंभ तिथि एवं समय	:	12.03.2026, प्रातः 11:00 बजे से
बिड समाप्ति तिथि एवं समय	:	16.03.2026, सायं 16:00 बजे तक
वेबसाइट	:	https://mahatenders.gov.in
संपर्क व्यक्ति :-		
अ) नाम	:	श्री हेमंत भुसारे, सहायक अभियंता (SWM) योजना
ब) टेलीफोन	:	022-23844450
स) मोबाइल नंबर	:	9762006449
द) ईमेल आईडी	:	ee1swm.pl@mcgm.gov.in

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (SWM) योजना
पीआरओ/3261/विज्ञा./2025-26
हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

संपादकीय

इच्छामृत्यु

सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा मामले में इच्छामृत्यु की अनुमति देकर भारतीय न्याय व्यवस्था में एक ऐसा अध्याय जोड़ दिया है, जो केवल कानून की व्याख्या नहीं बल्कि जीवन और मृत्यु के बीच की उस गहरी मानवीय दुविधा को भी सामने लाता है, जिसे समाज लंबे समय से टालता रहा है। अदालत ने 13 वर्षों से अचेत अवस्था में जीवन जी रहे युवक के लाइफ सपोर्ट सिस्टम को हटाने की अनुमति देते हुए यह स्पष्ट कर दिया कि "गरिमा के साथ मृत्यु" भी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में निहित जीवन के अधिकार का ही विस्तार है। यह फैसला इसलिए भी ऐतिहासिक है क्योंकि इसमें सुप्रीम कोर्ट ने 2018 के कॉमन कॉज मामले में तय सिद्धांतों को पहली बार किसी ठोस परिस्थिति में लागू किया है। इस निर्णय ने यह प्रश्न फिर से हमारे सामने रख दिया है कि क्या जीवन को किसी भी हालत में बनाए रखना ही मानवता है, या फिर ऐसी स्थिति में पीड़ा से मुक्ति देना भी उतना ही मानवीय विकल्प हो सकता है। हरीश राणा की कहानी आधुनिक चिकित्सा और मानवीय संवेदनाओं के बीच मौजूद उस खाई को उजागर करती है, जिसे समझना आसान नहीं है। एक युवा छात्र, जिसके सामने भविष्य की अनगिनत संभावनाएँ थीं, एक दुर्घटना के बाद ऐसी अवस्था में पहुँच गया जहाँ चेतना, संवाद और अनुभूति का कोई अस्तित्व नहीं बचा। पिछले 13 वर्षों से उनका शरीर केवल मशीनों और चिकित्सा उपकरणों के सहारे जीवित रहा है। डॉक्टरों ने साफ कहा कि उनके ठीक होने की कोई संभावना नहीं है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या मशीनों के सहारे जीवन को अनिश्चितकाल तक खींचते रहना वास्तव में जीवन की रक्षा है, या फिर यह केवल मृत्यु को टालने की कोशिश है। यही वह बिंदु है जहाँ कानून, चिकित्सा और नैतिकता एक दूसरे से टकराने लगते हैं। भारत में इच्छामृत्यु की बहस अचानक नहीं शुरू हुई। 2011 में अरुणा शानबाग मामले ने इस प्रश्न को पहली बार राष्ट्रीय विमर्श का विषय बनाया था।

केईएम अस्पताल की नर्स अरुणा शानबाग पर हुए क्रूर हमले के बाद वह चार दशक तक अचेत अवस्था में रहीं। उस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सक्रिय इच्छामृत्यु को अपराध मानते हुए निष्क्रिय इच्छामृत्यु को सीमित परिस्थितियों में स्वीकार किया था। हालांकि अरुणा के मामले में अनुमति नहीं दी गई, लेकिन उसी फैसले ने आगे की कानूनी दिशा तय कर दी। इसके बाद 2018 में कॉमन कॉज मामले में संविधान पीठ ने यह ऐतिहासिक घोषणा की कि गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी जीवन के अधिकार का हिस्सा है और "लिविंग विल" की अवधारणा को मान्यता दी। इसका अर्थ यह था कि कोई भी व्यक्ति पहले से लिखित रूप में यह तय कर सकता है कि यदि वह भविष्य में लाइलाज अवस्था में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणाली पर न रखा जाए। हरीश राणा का मामला इन सिद्धांतों की व्यावहारिक परीक्षा बनकर सामने आया है। अदालत ने यह माना कि जब मेडिकल बोर्ड स्पष्ट रूप से यह कह चुका है कि मरीज के ठीक होने की कोई संभावना नहीं है और जीवन केवल मशीनों के सहारे चल रहा है, तब उपचार को जारी रखना अनिवार्य नहीं रह जाता। यह दृष्टिकोण इस बात को रेखांकित करता है कि चिकित्सा का उद्देश्य केवल जीवन को किसी भी कीमत पर लंबा करना नहीं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता और मानवीय गरिमा की रक्षा करना भी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में केंद्र सरकार को इस विषय पर स्पष्ट कानून बनाने का संकेत भी दिया है। अभी तक इच्छामृत्यु से जुड़ी व्यवस्था मुख्य रूप से न्यायालय के दिशानिर्देशों पर आधारित है। संसद में 2016 में टर्मिनली इल मरीजों के उपचार से जुड़ा विधेयक लाया गया था, लेकिन वह अब तक लंबित है। ऐसे संवेदनशील विषय पर स्पष्ट, पारदर्शी और सख्त कानूनी ढांचा बेहद जरूरी है, ताकि एक ओर मरीज की गरिमा और स्वायत्तता सुरक्षित रहे और दूसरी ओर किसी प्रकार के दुरुपयोग की संभावना भी समाप्त हो।

सरहदों से परे सेवा–मानवता का वैश्विक धर्म

धीरज सिंह
समाचार संपादक

2025-26 के वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की लगभग 4.6 Billion आबादी के पास आज भी अनिवार्य स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्ण पहुंच नहीं है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि उन करोड़ों पिताओं की बेबसी है जो अपने बीमार बच्चे को अस्पताल नहीं ले जा पाते, और उन माताओं की कराह है जो प्रसव के दौरान उचित चिकित्सा न मिलने के कारण काल के गाल में समा जाती हैं।

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में जहाँ राष्ट्र अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में लगे हैं, वहीं एक ऐसा संकट भी है जो किसी पासपोर्ट या वीजा का मोहताज नहीं है—वह है 'स्वास्थ्य संकट'। जब हम अपने व्यक्तिगत जीवन और राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर निकलकर वैश्विक स्तर पर जरूरतमंदों की चिकित्सा सहायता (Medical Help) की बात करते हैं, तो हम केवल एक दान नहीं दे रहे होते, बल्कि मानवता के उस अटूट तंतु को मजबूत कर रहे होते हैं जो हमें एक सूत्र में पिरोता है।

वैश्विक स्वास्थ्य असमानता: एक कड़वी सच्चाई

दुनिया के नक्शे पर यदि हम नजर डालें, तो स्वास्थ्य सुविधाओं का वितरण अत्यंत असंतुलित है। एक ओर जहाँ विकसित देशों में अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी और जेनेटिक इंजीनियरिंग सामान्य होती जा रही है, वहीं दूसरी ओर यमन, सूडान और अफगानिस्तान जैसे देशों में बच्चे बुनियादी टीकाकरण और साफ पानी के अभाव में दम तोड़ रहे हैं। 2025-26 के वैश्विक आंकड़े बताते हैं कि दुनिया की लगभग 4.6 Billion आबादी के पास आज भी अनिवार्य स्वास्थ्य सेवाओं की पूर्ण पहुंच नहीं है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि उन करोड़ों पिताओं की बेबसी है जो अपने बीमार बच्चे को अस्पताल नहीं ले जा पाते, और उन माताओं की कराह है जो प्रसव के दौरान उचित चिकित्सा न मिलने के कारण काल के गाल में समा जाती हैं। स्वास्थ्य पर होने वाला 'आउट-ऑफ-पॉकेट' खर्च हर साल लगभग 100 Million लोगों को अत्यधिक गरीबी में धकेल देता है।

यमन: एक वैश्विक चेतावनी और उम्मीद की किरण

यमन का उदाहरण इस बात का जीवंत प्रमाण है कि चिकित्सा सहायता क्यों अनिवार्य है। पिछले एक दशक के संघर्ष ने वहां की स्वास्थ्य प्रणाली को पूरी तरह पंगु बना दिया है। 2025 की रिपोर्टों के अनुसार, यमन की 17.8 Million आबादी बुनियादी चिकित्सा से वंचित है। वहां 'हैजा' (Cholera) जैसी बीमारियां, जिन्हें आधुनिक युग में आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है, आज भी महामारी का रूप ले लेती हैं। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और व्यक्तिगत दानदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। जब विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) या 'रेड क्रॉस' जैसी संस्थाएं वहां टीकाकरण अभियान चलाती हैं, तो वे केवल दवाएं नहीं बांटतीं, बल्कि एक पूरी पीढ़ी को अपाहिज होने या मरने से बचाती हैं। 2025 में लगभग 500,000 कुपोषित बच्चों को दी जा रही चिकित्सीय सहायता इस बात का प्रमाण है कि सामूहिक प्रयास ही विनाश को रोक सकते हैं। यमन में केवल 50% स्वास्थ्य केंद्र ही पूरी तरह कार्यात्मक हैं, जिससे बाहरी मदद और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

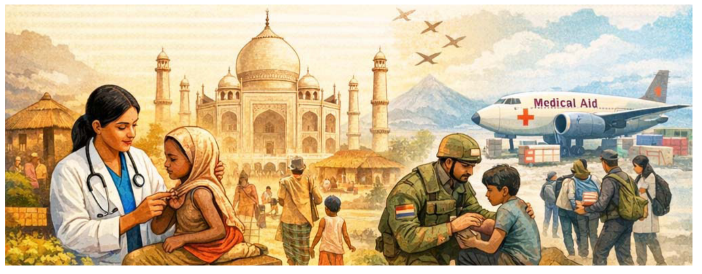

छोटी मदद का 'विराट प्रभाव'

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि एक व्यक्ति की छोटी सी मदद इतने बड़े वैश्विक संकट में क्या बदलाव लाएगी? लेकिन चिकित्सा विज्ञान और समाजशास्त्र में 'बटरफ्लाई इफेक्ट' बहुत प्रभावी ढंग से काम करता है।

संक्रमण की रोकथाम: जब आप किसी दूरस्थ देश में एक व्यक्ति के संक्रामक रोग (जैसे टीबी या मलेरिया) के इलाज में आर्थिक सहयोग करते हैं, तो आप अनजाने में उस बीमारी को वैश्विक महामारी बनने से रोक रहे होते हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से पूरी दुनिया एक 'ग्लोबल विलेज' है। एक कोने में उपजी बीमारी दूसरे कोने को संक्रमित करने में देर नहीं लगाती।

आर्थिक स्थिरता: जब किसी गरीब परिवार का सदस्य इलाज पाकर स्वस्थ होता है, तो वह पुनः श्रम शक्ति का हिस्सा बनता है। शोध बताते हैं कि स्वास्थ्य में निवेश किया गया $1 भविष्य में $4 के आर्थिक लाभ के रूप में वापस आता है। चिकित्सा सहायता अंततः गरीबी उन्मूलन का सबसे प्रभावी जरिया है।

शिशु मृत्यु दर में कमी: वैश्विक स्तर पर, 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु का एक बड़ा कारण निमोनिया और डायरिया जैसी बीमारियां हैं। महज $10 से $20 की छोटी सी मदद एक बच्चे के पूर्ण टीकाकरण चक्र को पूरा कर सकती है।

भारत की भूमिका: 'वसुधैव कुटुंबकम' का मूर्त रूप

भारत ने हमेशा 'विश्व एक परिवार है' के सिद्धांत को माना है। कोविड-19 के दौरान 'वैक्सीन मैत्री' अभियान के तहत 100 Million से अधिक डोज दुनिया भर में बांटकर भारत ने दिखाया कि अपनी जरूरतों के बावजूद दूसरों की मदद करना ही वास्तविक नेतृत्व है। आज भी भारतीय जेनेरिक दवाएं अफ्रीका और दक्षिण एशिया के कई देशों में जीवन रक्षक की भूमिका निभा रही हैं, जिससे दवाओं की लागत में 80% तक की कमी आई है। लेकिन सरकारी प्रयासों के साथ-साथ 'नागरिक कूटनीति' (Citizen Diplomacy) की भी आवश्यकता है। जब एक आम नागरिक किसी अंतरराष्ट्रीय क्राउडफंडिंग प्लेटफॉर्म के जरिए किसी अजनबी की सर्जरी के लिए योगदान देता है, तो वह नफरत और विभाजन की दीवारों को ढहाकर करुणा का सेतु बनाता है।

निष्कर्ष

हमें यह समझना होगा कि स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं, बल्कि बुनियादी मानवाधिकार है। अपनी सुख-सुविधाओं के खोल से बाहर निकलकर जब हम किसी अनजान जरूरतमंद की मेडिकल हेल्प करते हैं, तो हम वास्तव में स्वयं के भीतर की मनुष्यता को जीवित रखते हैं।

हमारी गीता

हमारी संस्कृति और राष्ट्र की नींव

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

किसी भी राष्ट्र या समाज का वास्तविक विकास ईंट-पत्थरों की इमारतों से नहीं, बल्कि वहां रहने वाले व्यक्तियों के चरित्र से निर्धारित होता है। व्यक्ति के भीतर निहित सद्गुण ही उसकी श्रेष्ठता के वास्तविक मानक हैं। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में इन्हीं गुणों को 'दैवी संपदा' कहा है। जिस समाज में ऐसे चारित्र्यवान व्यक्तियों की संख्या अधिक होती है, वही समाज वास्तव में प्रगतिशील और विकसित कहलाता है। आज के युग में अक्सर यह माना जाता है कि केवल राजनीतिक बदलाव, पुलिस तंत्र की कड़ाई या कानूनों में संशोधन करके समाज व्यवस्था को सुधारा जा सकता है। परंतु, सत्य इसके विपरीत है। वास्तविक परिवर्तन सांस्कृतिक चेतना से ही संभव है। संस्कृति न तो संसद में बनाई जा सकती है और न ही केवल कागजों पर बदली जा सकती है। जिस प्रकार एक प्रयोगशाला में वैज्ञानिक बड़ी बारीकी से बीज तैयार करते हैं ताकि फसल उत्तम हो, वैसे ही नीति-मूल्यों के आधार पर सामाजिक जीवन को दिव्य बनाया जाता है। हमारे पूर्वजों ने परिवार को ही इस संस्कृति की मूल इकाई माना था। प्रत्येक परिवार की परंपरा और संस्कार ही सामूहिक रूप से राष्ट्र की संस्कृति का निर्माण करते हैं।

महाभारत के युद्ध के समय अर्जुन ने भी इसी

आधारभूत ढांचे के टूटने का भय व्यक्त किया था। अर्जुन का तर्क था कि 'कुलक्षय' यानी परिवार के विनाश से अधर्म का वर्चस्व बढ़ेगा। इसमें स्त्रियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। घर की स्त्री यदि गुणों से संपन्न और मर्यादित है, तो पूरा परिवार सुसंस्कृत होता है और आने वाली पीढ़ियां भी संस्कारवान बनती हैं। परंतु, जब अधर्म के कारण मूल्यों का पतन होता है, तब घर और समाज की नींव यानी स्त्री शक्ति के संस्कार प्रभावित होते हैं।

यदि एक वृक्ष रोगग्रस्त हो जाए, तो उसे ठीक किया जा सकता है, लेकिन यदि वह भूमि ही बंजर हो जाए जिस पर वृक्ष खड़ा है, तो अस्तित्व ही संकट में पड़ जाता है। चारित्र्यहीनता समाज के लिए ऐसा ही एक कलंक है। कोई व्यक्ति या समाज बाहरी ऐश्वर्य, गहनों और वैभव से कितना ही सजा क्यों न हो, यदि उसका नैतिक आधार शून्य है, तो वह ऐश्वर्य व्यर्थ है।

शख्सियत | वसंतदादा पाटिल

साधारण किसान से मुख्यमंत्री तक

भारतीय राजनीति में ऐसे अनेक नेता हुए हैं जिन्होंने कठिन परिस्थितियों से उठकर समाज और देश के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल का जीवन भी इसी प्रेरक परंपरा का उदाहरण है। उनका जीवन संघर्ष, साहस, नेतृत्व और जनसेवा की भावना से भरा हुआ था। एक साधारण किसान परिवार से निकलकर राज्य के सर्वोच्च पद तक पहुंचने की उनकी यात्रा हर व्यक्ति को प्रेरणा देती है।

वसंतदादा पाटिल का जन्म 12 मार्च 1917 को महाराष्ट्र के सांगली जिले के पद्माले गांव में एक सामान्य किसान परिवार में हुआ था। उनका बचपन ग्रामीण परिवेश में बीता। आर्थिक स्थिति मजबूत नहीं थी, इसलिए उन्हें बहुत अधिक औपचारिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिला। किंतु जीवन की कठिनाइयों ने उन्हें मजबूत बनाया और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा की। यही कारण था कि कम उम्र में ही वे सामाजिक और राष्ट्रीय आंदोलनों से जुड़ गए।

देश में जब स्वतंत्रता आंदोलन अपने चरम पर था, तब वसंतदादा पाटिल भी उससे अछूते नहीं रहे। उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ आंदोलन में सक्रिय भाग लिया। विशेष रूप से 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस आंदोलन के दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ा। कठिनाइयों और दमन के बावजूद उनका उत्साह कम नहीं हुआ। स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भागीदारी ने उन्हें जनता के बीच एक साहसी और समर्पित नेता के रूप में पहचान दिलाई।

स्वतंत्रता के बाद वसंतदादा पाटिल ने अपना पूरा जीवन किसानों और ग्रामीण विकास के लिए समर्पित कर दिया। वे स्वयं किसान परिवार से थे, इसलिए किसानों की समस्याओं को बहुत अच्छी तरह समझते थे। उन्होंने सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए। महाराष्ट्र में चीनी सहकारी कारखानों की स्थापना और विस्तार में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। सहकारिता के माध्यम से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का उनका सपना काफी हद तक साकार हुआ।

राजनीतिक जीवन में भी वसंतदादा पाटिल ने निरंतर प्रगति की। वे महाराष्ट्र की राजनीति में एक प्रभावशाली नेता के रूप में उभरे। अपनी संगठन क्षमता, स्पष्ट सोच और जनहितकारी दृष्टिकोण के कारण वे जनता के बीच बेहद लोकप्रिय थे। इसी लोकप्रियता और नेतृत्व क्षमता के कारण उन्हें महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने का अवसर मिला। वे चार बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे। उनके कार्यकाल में ग्रामीण विकास, सिंचाई, शिक्षा और सहकारिता क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

मुख्यमंत्री के रूप में वसंतदादा पाटिल ने हमेशा ग्रामीण और किसान हितों को प्राथमिकता दी। उन्होंने सिंचाई परियोजनाओं को बढ़ावा दिया, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई। शिक्षा के क्षेत्र में भी उन्होंने कई संस्थानों की स्थापना को प्रोत्साहन दिया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को बेहतर अवसर मिल सकें। उनके नेतृत्व में कई विकास योजनाएं शुरू हुईं, जिनका लाभ लंबे समय तक समाज को मिलता रहा।

जीवन ऊर्जा

जॉर्ज बर्कले : जन्म - 12 मार्च 1685 | जन्म

जॉर्ज बर्कले का जन्म 12 मार्च 1685 को आयरलैंड में हुआ था। वे प्रसिद्ध दार्शनिक और ईसाई धर्मशास्त्री थे। उन्होंने आदर्शवाद के सिद्धांत को विकसित किया और कहा कि वस्तुओं का अस्तित्व मन की अनुभूति पर निर्भर करता है। उनकी रचनाओं ने पश्चिमी दर्शन को गहराई से प्रभावित किया। उनका निधन 1753 में हुआ था। वे विचारक और शिक्षक थे।

मन की शक्ति असीम है

होना यानी अनुभव किया जाना है। ज्ञान अनुभव से जन्म लेता है। सत्य को समझने के लिए मन का जागृत होना आवश्यक है। संसार वही है जिसे हम अनुभव करते हैं। ईश्वर हर वस्तु में उपस्थित है। प्रकृति ईश्वर की योजना का प्रमाण है। मनुष्य की धारणा ही वास्तविकता को अर्थ देती है। सत्य सरल होता है। अज्ञान भ्रम पैदा करता है। विचार मनुष्य को महान बनाते हैं। ज्ञान से मन प्रकाशित होता है। शिक्षा बुद्धि का विकास करती है। संदेह प्रश्नों को जन्म देता है। प्रश्न ज्ञान का मार्ग खोलते हैं। मन की शक्ति असीम है। विश्वास जीवन को दिशा देता है। ईश्वर

सर्वोच्च सत्य है। नैतिकता जीवन की नींव है। सदाचार मनुष्य को श्रेष्ठ बनाता है। समझ से भ्रम दूर होता है। ज्ञान स्वतंत्रता देता है। सत्य स्थायी होता है। विचार समाज को बदल सकते हैं। विनम्रता ज्ञान का साथी है। अनुभव बुद्धि को परिपक्व बनाता है। मनुष्य को सत्य की खोज करनी चाहिए। बुद्धि का सही उपयोग आवश्यक है। जीवन सीखने की यात्रा है। प्रकृति में व्यवस्था और संतुलन है। ईश्वर में विश्वास आशा देता है। सच्चा ज्ञान मन को शांत करता है। सत्य अंततः विजयी होता है। ज्ञान मानव जीवन का प्रकाश है। अच्छे विचार अच्छे कर्मों को जन्म देते हैं। समझ ही वास्तविक ज्ञान है। विचार मनुष्य के चरित्र को आकार देते हैं। विवेक जीवन का मार्गदर्शक है। ज्ञान से भय कम होता है। सच्चाई मन को मजबूत बनाती है। सत्य की खोज ही ज्ञान का उद्देश्य है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

संपदा और चारित्रिक श्रेष्ठता के बीच गहरा अंतर होता है

दक्षिण भारत के महान संत तिरुवल्लुवर का जीवन दर्शन हमें सिखाता है कि भौतिक संपदा और चारित्रिक श्रेष्ठता के बीच एक गहरा अंतर होता है। एक व्यथित सेठ, जिसने अपने पुत्र के लिए अथाह धन संचित किया था, जब अपनी संतान के पथभ्रष्ट होने की शिकायत लेकर संत के पास पहुँचा, तो तिरुवल्लुवर ने एक मर्मस्पर्शी सत्य उजागर किया। उन्होंने सेठ को याद दिलाया कि वह स्वयं शून्य से शिखर तक अपनी योग्यता के बल पर पहुँचा था, जबकि उसका पुत्र बनी-बनाई विरासत के कारण

आलसी और व्यसनी हो गया। यह प्रसंग स्पष्ट करता है कि बिना श्रम और मूल्य के मिली संपत्ति अक्सर व्यक्ति के पतन का मार्ग प्रशस्त करती है।

संत ने रेखांकित किया कि माता-पिता का प्राथमिक कर्तव्य संतान के लिए तिजोरियाँ भरना नहीं, बल्कि उसे 'पहली पंक्ति' में बैठने योग्य बनाना है। जब हम बच्चों को केवल सुख-सुविधाओं का अंबार देते हैं और उनके संस्कारों के विकास की अनदेखी करते हैं, तो हम अनजाने में उनके स्वावलंबन की शक्ति को छीन लेते हैं। शिक्षा और संस्कार वह वास्तविक पूंजी हैं, जो किसी भी परिस्थिति में व्यक्ति का साथ नहीं छोड़तीं। यदि संतान योग्य है, तो वह अपना भाग्य स्वयं लिख लेगी, और यदि वह अयोग्य है, तो पूर्वजों द्वारा छोड़ी गई संपत्ति उसे विनाश से नहीं बचा पाएगी।

इस बोध ने सेठ की आँखें खोल दीं कि बच्चों की तात्कालिक इच्छाएँ पूरी करना प्रेम हो सकता है, लेकिन उन्हें सही जीवन मूल्य न देना उनके भविष्य के साथ किया गया सबसे बड़ा अन्याय है। यदि बच्चों को उनकी पसंद के खिलौने न मिलें, तो वे कुछ पल के लिए दुखी हो सकते हैं, लेकिन यदि उन्हें सही संस्कार न मिले, तो वे और उनके अभिभावक जीवन भर पीड़ा झेलते हैं। अच्छे संस्कार ही वह नींव हैं, जिस पर एक सुदृढ़ चरित्र और सफल जीवन की इमारत खड़ी होती है। संस्कारवान संतान न केवल कुल का मान बढ़ाती है, बल्कि समाज के कल्याण में भी सहभागी बनती है।

अंततः, यह कहानी हमें आत्म-चिंतन की प्रेरणा देती है कि हम अपने बच्चों को विरासत में क्या सौंप रहे हैं। केवल धन संचय की अंधी दौड़ में परिवार और संस्कारों को पीछे छोड़ देना एक बड़ी भूल है। सच्चा धन वह संस्कार हैं, जो व्यक्ति को कठिन समय में धैर्य और सफलता के समय विनम्रता सिखाते हैं। हमें अपने बच्चों को आत्मनिर्भर और मूल्यवान इंसान बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि अच्छे संस्कारों से ही न केवल एक श्रेष्ठ जीवन, बल्कि एक सुंदर और संतुलित संसार का निर्माण संभव है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

मैं इस बात का भी शुक्रगुजार हूं कि खाड़ी देशों की सरकारें हमारे नागरिकों की रक्षा कर रही हैं। ।चाहे खाना हो, मेडिकल हो या कानूनी मदद, सब कुछ दिया जा रहा है। लेकिन दुख की बात है कि ऐसे ग्लोबल संकट में भी कांग्रेस राजनीति कर रही है और ऐसे बयान दे रही है जिससे हालात और खराब हो सकते हैं और लोग मुश्किल में पड़ सकते हैं, ताकि आखिर में वे मोदी पर इल्जाम लगा सकें।

नरेंद्र मोदी
प्रधान मंत्री, भारत

अधिकारी सतर्क हैं और घरेलू सप्लाई चैन को सुरक्षित रखने के लिए संबंधित विभाग लगातार वैश्विक घटनाक्रमों की समीक्षा कर रहे हैं। ईंधन की बिल्कुल भी कोई कमी नहीं है। विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। एक गंभीर युद्ध चल रहा है... इस स्थिति में जो भी चिंताएं होंगी, संबंधित विभागों द्वारा समय-समय पर सभी को अवगत कराया जाएगा।

पीयूष गोयल
केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार

यह चर्चा लोकतंत्र और स्पीकर की भूमिका पर है। कई मौकों पर मेरा नाम लिया गया .हर समय हमें बोलने से रोका गया। आखिरी बार बोलते हुए मैंने प्रधानमंत्री की ओर से कॉम्प्रोमाइज का मुद्दा उठाया, सदन देश का प्रतिनिधित्व करता है। पहली बार विपक्ष के नेता को नहीं बोलने दिया गया. पीएम कॉम्प्रोमाइज्ड।

राहुल गांधी
नेता, विपक्ष

आजादी के बाद इतने वर्षों में केवल दूसरी बार स्पीकर के खिलाफ अविश्वास पर बहस हो रही है. स्पीकर के पद और अविश्वास को टूल नहीं बनाया जाना चाहिए। स्पीकर हाउस के प्रति जवाबदेह हैं।इस सदन ने बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं। हर बार संसद एक नई ऊंचाई पर पहुंची है. इसी सदन में 11 सांसद निकाल दिए गए और एक बार भी सदन ने विरोध नहीं किया।

रविशंकर प्रसाद
नेता, भाजपा

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

ब्रीफ न्यूज़

महिला बचत समूहों को मिला उनका हक, लाडली बहनों को मिली स्टॉल की चाबियां

उल्हासनगर। शहर के महिला बचत समूहों को लगभग एक साल के लंबे संघर्ष के बाद आखिरकार उनके हक के स्टॉल मिल गए। शिवसेना की महापौर अश्विनी निकम और गटनेता अरुण आशान के हाथों लाडली बहनों को स्टॉल की चाबियों का वितरण किया गया। इस मौके पर महिलाओं में खुशी का माहौल देखने को मिला। बताया गया कि पिछले डेढ़ से दो वर्षों से महिला बचत समूह स्टॉल प्राप्त करने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे थे। विभिन्न कारणों और राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते प्रशासनिक शासन के दौरान महिलाओं को इन स्टॉलों से वंचित रहना पड़ा था, जिससे उनमें नाराजगी थी। इस मुद्दे को सामाजिक कार्यकर्ता शिवाजी रगडे ने लगातार उठाया। मनपा मुख्यालय के सामने धरना, विधायक कार्यालय पर मोर्चा और प्रशासन के साथ लगातार संवाद के माध्यम से इस मांग को मजबूती से रखा गया।10 मार्च को महापौर कक्ष में महापौर अश्विनी निकम, गटनेता अरुण आशान, वरिष्ठ नेता नाना बागुल, कमलेश निकम और शिवाजी रगडे की मौजूदगी में लाडली बहनों को स्टॉल की अंतिम चाबियां सौंपी गईं। इस दौरान महिलाओं ने महापौर का आभार व्यक्त किया।

मुंबई पीआरएस सेवा कुछ घंटों के लिए बंद रहेगी

मुंबई। मुंबई की यात्री आरक्षण प्रणाली (पीआरएस) 12 मार्च 2026 की रात 11.45 बजे से 13 मार्च 2026 की सुबह 3.15 बजे तक डिस्क डी-फ्रैग्मेंटेशन कार्य के कारण अस्थायी रूप से बंद रहेगी। इस अवधि में यात्री आरक्षण प्रणाली, कोचिंग रिफंड, चार्टिंग गतिविधियां, ट्रेन फायरिंग, आईवीआरएस, करेंट आरक्षण, चार्ट डिस्प्ले, टच स्क्रीन, रिफंड काउंटर तथा कोचिंग रिफंड टर्मिनल जैसी सेवाएं उपलब्ध नहीं रहेंगी। साथ ही इस दौरान मुंबई पीआरएस ट्रेनों के लिए इंटरनेट बुकिंग भी बंद रहेगी, हालांकि मौजूदा नियमों के अनुसार यात्रियों को टीडीआर जारी करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

बिना टिकट यात्रियों पर सख्ती, कार्रवाई तेज

मध्य रेल ने वसूला 227 करोड़ रुपये जुर्माना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मध्य रेल ने बिना टिकट और अनधिकृत यात्रा पर लगाम लगाने के लिए पूरे नेटवर्क में जांच अभियान तेज कर दिया है। रेलवे का कहना है कि यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा देने के लिए यह कार्रवाई लगातार की जा रही है। इसी के तहत विभिन्न स्टेशनों और ट्रेनों में नियमित और विशेष टिकट जांच अभियान चलाए जा रहे हैं।

फरवरी 2026 में भी बढ़ी कार्रवाई

सिर्फ फरवरी 2026 के दौरान ही टिकट जांच टीमों ने 3.65 लाख यात्रियों को बिना टिकट या अमान्य टिकट के साथ यात्रा करते पकड़ा। फरवरी 2025 में यह संख्या 3.32 लाख थी। वहीं जुर्माने के रूप में फरवरी 2026 में 23.27 करोड़ रुपये वसूले गए, जबकि पिछले साल इसी महीने यह राशि 18 करोड़ रुपये थी।

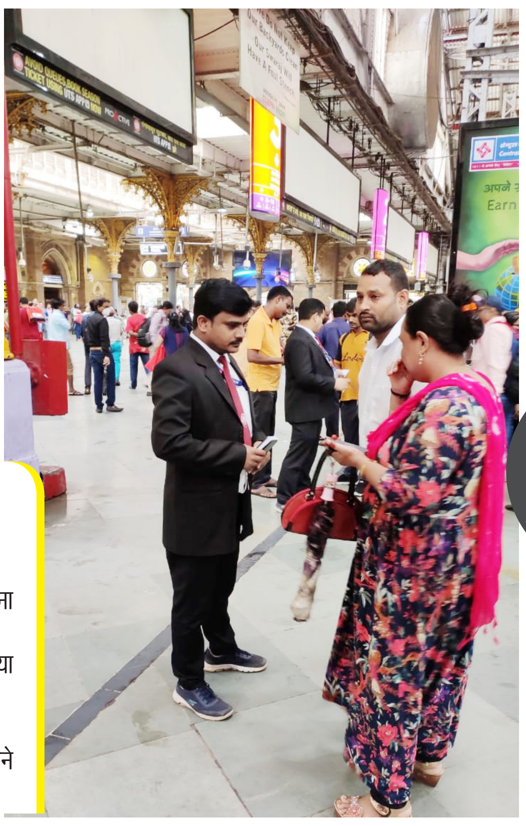

वित्त वर्ष 2025-26 में 38 लाख से अधिक मामले पकड़े गए

वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 से फरवरी 2026) के दौरान मध्य रेल की टिकट जांच टीमों ने बिना टिकट या गलत टिकट के साथ यात्रा कर रहे 37.99 लाख यात्रियों को पकड़ा। यह संख्या पिछले वर्ष की इसी अवधि में पकड़े गए 34.60 लाख मामलों से करीब 10 प्रतिशत अधिक है। इन मामलों से रेलवे ने रिकॉर्ड 227.03 करोड़ रुपये का जुर्माना वसूला, जो पिछले वर्ष के 185.62 करोड़ रुपये से 22 प्रतिशत ज्यादा है।

मुंबई और भुसावल मंडल में सबसे ज्यादा मामले

मंडलवार आंकड़ों के अनुसार मुंबई मंडल में 16.16 लाख मामलों से 71.32 करोड़ रुपये और भुसावल मंडल में 8.94 लाख मामलों से 75.29 करोड़ रुपये जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा पुणे मंडल में 4.31 लाख मामलों से 27.14 करोड़, नागपुर मंडल में 4 लाख मामलों से 24.93 करोड़, सोलापुर मंडल में 2.30 लाख मामलों से 10.53 करोड़ और मुख्यालय स्तर पर 2.28 लाख मामलों से 17.82 करोड़ रुपये वसूले गए।

टोरेंट पावर की दावत-ए-इफ्तार भाईचारे का दिया संदेश

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

पवित्र रमज़ान माह के अवसर पर टोरेंट पावर ने हर वर्ष की तरह इस साल भी भिवंडी में दावत-ए-इफ्तार का भव्य आयोजन किया। यह कार्यक्रम 10 मार्च 2026 को अशोक नगर स्थित पाटीदार हॉल में आयोजित किया गया, जिसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में आपसी एकजुटता, भाईचारा और सामुदायिक संबंधों को मजबूत करना था। इफ्तार कार्यक्रम में शहर के प्रमुख नागरिक, पुलिस विभाग के अधिकारी, महानगरपालिका के अधिकारी, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, मीडिया कर्मी और क्षेत्र के प्रतिष्ठित लोग उपस्थित रहे।

टोरेंट पावर अधिकारियों ने किया स्वागत

इस अवसर पर टोरेंट पावर की ओर से उपाध्यक्ष जीवन क्लर्क, जय पांड्या, सुधीर देशमुख और चेतन बदियानी सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में आए मेहमानों के लिए इफ्तार की विशेष व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के दौरान सैयद मुफ़्ती मोहम्मद उजैफा कासमी ने रमज़ान और इफ्तार के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह पवित्र महीना आत्मसंयम, सेवा और आपसी सद्भाव का संदेश देता है। टोरेंट पावर के पीआरओ चेतन बदियानी ने बताया कि ऐसे आयोजन कंपनी और स्थानीय समाज के बीच संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सड़कों पर महापौर, खुद की वार्ड 13 की सफाई

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे शहर को चमकाने और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए महापौर शर्मिला पिंपोलकर ने खुद झाड़ू थामकर एक मिसाल पेश की। ठाणे महानगरपालिका द्वारा वार्ड नंबर 13 में आयोजित इस विशाल सफाई अभियान की खास बात यह रही कि इसमें केवल प्रशासन ही नहीं, बल्कि आम जनता ने भी बढ़-चढ़कर अपना हाथ बंटाया। अभियान की शुरुआत ज्ञानेश्वर नगर चौक से एक पवित्र संकल्प के साथ हुई। मेयर और वहां मौजूद नागरिकों ने कसम ली कि वे न केवल अपने इलाके को साफ रखेंगे, बल्कि पर्यावरण की रक्षा के लिए गीला और सूखा कचरा अलग-अलग करके ही कचरा गाड़ी को देंगे।

अधिकारियों और पार्षदों की लंबी फौज

इस मुहिम में मेयर के साथ स्थानीय पार्षद अनिल भोर, निर्मला कांसे, वर्षा शेलार और शाहजी खुसपे जैसे नेता शामिल थे। प्रशासन की ओर से डिप्टी कमिश्नर दिनेश तायड़े और हेल्थ ऑफिसर डॉ. रानी शिंदे ने भी सक्रिय रूप से हिस्सा लिया, जिससे कर्मचारियों का हौसला बढ़ गया। सफाई का यह कारवां ज्ञानेश्वर नगर से शुरू होकर मराठा सर्कल, नितिन सिग्नल, कोरम मॉल, समता नगर और वैतीवाड़ी जैसे इलाकों तक पहुँचा। टीम ने पाइपलाइन, हजूरी शौचालय, सबवे और रोड नंबर 33 जैसे अंदरूनी रास्तों की भी गहराई से सफाई की।

नाली साफ करने के बाद मलबा भी हटाया

यह अभियान केवल झाड़ू लगाने तक सीमित नहीं था। इसमें नालियों और बड़े नालों की सफाई की गई, जमा हुआ कचरा और मलबा हटाया गया। शहर को कचरा मुक्त बनाने के लिए भारी मशीनों और सफाई कर्मचारियों के दल ने मिलकर काम किया। मेयर पिंपोलकर ने जोर देकर कहा कि महानगरपालिका तो रोजाना सफाई करती ही है, लेकिन शहर तभी सुंदर रहेगा जब जनता इसे अपनी जिम्मेदारी समझेगी। नागरिकों ने जिस तरह से इस मुहिम में हाथ बंटाया, उससे यह साफ है कि ठाणे अब स्वच्छता के मामले में नई ऊंचाइयों को छूने को तैयार है।

ज्योतिषी निशांत शर्मा 'समस्त भारत ज्योतिष उत्कृष्ट पुरस्कार' से सम्मानित

डीबीडी संवाददाता | नई दिल्ली/मुंबई

नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित चिन्मय मिशन परिसर में 'समस्त भारत राष्ट्रीय पत्रिका' की ओर से समस्त भारत ज्योतिष उत्कृष्ट पुरस्कार समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश के अलग-अलग हिस्सों से आए नामी ज्योतिषियों, अंकशास्त्रियों और विद्वानों ने हिस्सा लिया। माहौल पूरी तरह पारंपरिक रहा और मंच से ज्योतिष विद्या की उपयोगिता पर खुलकर चर्चा हुई।

केंद्रीय और राज्य मंत्रियों ने किया शुभारंभ

समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि नागालैंड सरकार के उच्च शिक्षा एवं पर्यटन मंत्री तेमजेन इम्ना अलोंग और भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर की। दोनों अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय परंपरा में ज्योतिष का खास महत्व रहा है और इस विद्या को सही दिशा में आगे बढ़ाने वाले लोगों का सम्मान होना चाहिए। कार्यक्रम में प्रमाणित अंकशास्त्री और वास्तु विशेषज्ञ निशांत शर्मा को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए समस्त भारत ज्योतिष उत्कृष्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार मिलने के बाद उन्होंने 'समस्त भारत' संस्थान का आभार जताया और कहा कि यह सम्मान उन्हें आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देगा। कार्यक्रम के अंत में ज्योतिष शास्त्र की सामाजिक भूमिका और इससे जुड़ने के तरीकों पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

तीन महिला कर्मचारियों को मिला 'सशक्त नारी पुरस्कार

डीबीडी संवाददाता | सोलापुर

मध्य रेल के सोलापुर मंडल ने 11 मार्च 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक भव्य और ऊर्जावान कार्यक्रम का आयोजन किया। रेलवे में कार्यरत महिला कर्मचारियों की मेहनत, लगन और उनके नेतृत्व का सम्मान करने के लिए आयोजित इस समारोह ने 'नारी शक्ति' के जज्बे को सलाम किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोलापुर मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक अंशुमाली कुमार ने दीप जलाकर समारोह की शुरुआत की। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि आज भारतीय रेलवे का हर विभाग महिलाओं की कार्यकुशलता और प्रोफेशनलिज्म से मजबूत हो रहा है। उन्होंने महिलाओं की बढ़ती हिस्सेदारी को रेलवे की प्रगति का आधार बताया। विशेष अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में सोलापुर जिला राज्य उत्पाद शुल्क विभाग की अधीक्षक भाग्यश्री जाधव मौजूद रहीं। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं की बढ़ती मौजूदगी और उनके नेतृत्व पर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समाज को मजबूत बनाने में महिलाओं की भूमिका सबसे अहम है।

सशक्त नारी पुरस्कार और पदक का गौरव

इस कार्यक्रम का सबसे खास पल वह था जब सोलापुर मंडल की तीन महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इन तीनों का चयन जोनल लेवल पर "सशक्त नारी पुरस्कार" के लिए हुआ था। उन्हें उनकी असाधारण ड्यूटी, ईमानदारी और कड़ी मेहनत के लिए मेडल और प्रशंसा पत्र दिए गए। जश्न केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहा। 7 मार्च को आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार दिए गए। वहीं, 11 मार्च को हुए डांस कॉम्पिटिशन ने समां बांध दिया, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। मंडल की सभी महिला कर्मचारियों को यादगारी के तौर पर गिफ्ट्स भी दिए गए। इस सफल आयोजन के पीछे एम्प्लॉई बेनिफिट फंड कमेटी और रेलवे के विभिन्न विभागों का बेहतरीन तालमेल रहा। सेंट्रल रेलवे विमेंस वेलफेयर ऑर्गनाइज़ेशन की प्रेसिडेंट निभा कुमारी और अन्य यूनियन प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने इस दिन को और भी यादगार बना दिया।

कल्याण में सजी ग्रामीण महिलाओं के हुनर की प्रदर्शनी

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण क्षेत्र लाइवलीहुड इम्प्रूवमेंट मिशन 'उमेद' के तहत ठाणे ज़िले की ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की मुहिम अब ज़मीनी स्तर पर रंग दिखा रही है। महिलाओं द्वारा बनाए गए घरेलू उत्पादों को बाज़ार देने के उद्देश्य से ज़िला ग्रामीण विकास एजेंसी ठाणे और उमेद मिशन ने मिलकर "ज़िला लेवल और मिनी सरस सेल्स प्रदर्शनी" का आयोजन किया है, जहां गांव की महिलाओं के हुनर को शहर के लोगों के सामने पेश किया जा रहा है। यह 'सरस सेल्स प्रदर्शनी' 10 से 14 मार्च 2026 तक कल्याण के यशवंतराव चव्हाण मैदान में रोज़ सुबह 10 बजे से रात 10 बजे तक चलेगी।

कल्याण में हुआ प्रदर्शनी का उद्घाटन

इस प्रदर्शनी का उद्घाटन ज़िला परिषद ठाणे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने किया। यह कार्यक्रम 10 मार्च 2026 को कल्याण के यशवंतराव चव्हाण मैदान (मैक्सी ग्राउंड), कार्णिक रोड में आयोजित हुआ। उद्घाटन के मौके पर अधिकारियों और महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला, क्योंकि यह मंच उनके उत्पादों को सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने का मौका दे रहा है।

200 महिलाओं के 100 से अधिक स्टॉल

प्रदर्शनी में ज़िले के ग्रामीण इलाकों से करीब 200 महिलाओं ने हिस्सा लिया है और 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों पर हैंडीक्राफ्ट, घरेलू उत्पाद, मसाले, अचार, पापड़ और तरह-तरह के पारंपरिक खाद्य पदार्थ बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। प्रशासन का मानना है कि इससे महिलाओं को अपनी मेहनत का सही मूल्य मिलेगा और उनकी आय बढ़ेगी।

'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य

मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने कहा कि 'उमेद' अभियान का मुख्य उद्देश्य गांव की महिलाओं को आर्थिक रूप से मज़बूत बनाना है। इसके तहत महिलाओं के उत्पादों को बाज़ार उपलब्ध कराने के साथ-साथ 'लखपति दीदी' योजना के जरिए उनकी आय बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया कि महिलाओं की रचनात्मकता और मेहनत की कोई सीमा नहीं होती, बस उन्हें सही अवसर और बाज़ार मिलना चाहिए।

डिजिटल और बड़े बाज़ार से जुड़ाव

ठाणे ज़िले में 11 हजार से अधिक सक्रिय महिला सेल्फ़-हेल्प ग्रुप्स के माध्यम से एक लाख से ज़्यादा महिलाएं इस अभियान से जुड़ी हैं। इन समूहों को बैंक लिंकेज, लोन, उद्यम आधार रजिस्ट्रेशन और फ़ूड लाइसेंस जैसी सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। साथ ही "वन स्टेशन-वन प्रोडक्ट" की तर्ज पर बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर स्टॉल लगाए जा रहे हैं और उमेद मार्ट व ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी महिलाओं के उत्पादों को बड़े बाज़ार तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। अपेक्षित कार्य समय पर पूरे होंगे। विवाद से बचें। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। मेहनत का फल मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

वृष कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। भावना में बहकर कोई निर्णय न लें। किसी नजदीकी व्यक्ति से संबंध बिगड़ सकते हैं। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय होगी। धैर्य रखें। नौकरी में तनाव रहेगा।

मिथुन स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। कोई बड़ा सौदा बड़ा लाभ दे सकता है। प्रमाद न कर भरपूर प्रयास करें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। धनलाभ सहज होगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। चिंता बनी रहेगी।

कर्क कानूनी बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। नए काम मिल सकते हैं। नौकरी में अधीनस्थ कर्मचारी सहयोग करेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में उपहार आदि देना पड़ सकते हैं। जल्दबाजी न करें।

सिंह राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। सहकर्मी साथ देंगे। किसी धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। अध्यात्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता तथा उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य न करें।

कन्या नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यस्थल पर सुधार या परिवर्तन संभव है। लंबित कार्य पूर्ण होने के योग हैं। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ फल देगा। शत्रुओं से सावधान रहें।

तुला पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। मित्रों तथा परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। शोध इत्यादि कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। संगीत इत्यादि रचनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। जोखिम न उठाएं। वाणी में संयम आवश्यक है।

वृश्चिक काम में मन नहीं लगेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कीमती वस्तुएं गुम हो सकती हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। विवेक से कार्य करें। लाभ होगा। चोट व दुर्घटना से शारीरिक हानि संभव है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

धनु यात्रा लाभदायक रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

मकर यात्रा लाभदायक रहेगी। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ रहेगा। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा। पुराना रोग उभर सकता है।

कुंभ नजदीकी वातावरण सुखद रहेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे। दुष्टजनों से सावधान रहें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

मीन पुराना रोग परेशानी तथा बाधा का कारण बन सकता है। लापरवाही न करें। फालतू खर्च होगा। आर्थिक परेशानी रहेगी। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में समस्याएं रहेंगी। यात्रा यथासंभव टालें। जोखिम नहीं लें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय बनी रहेगी।

भक्ति, मंत्र और साधना से जाग्रत होती है बुद्धि और स्मरण शक्ति

प्रियंका जैन
97699 94439

भारतीय संस्कृति में शिक्षा को केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं माना गया, बल्कि इसे आत्मविकास और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग भी कहा गया है। हमारे प्राचीन ग्रंथों और परंपराओं में विद्या को देवी सरस्वती का स्वरूप माना गया है और यह विश्वास किया जाता है कि जब विद्यार्थी श्रद्धा, अनुशासन और भक्ति के साथ अध्ययन करता है तो उसके जीवन में ज्ञान का प्रकाश स्वतः ही फैलने लगता है। आज के समय में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है और विद्यार्थियों पर पढ़ाई का दबाव भी अधिक हो गया है। कई बार बच्चे मेहनत तो बहुत करते हैं, लेकिन फिर भी उनका मन पढ़ाई में नहीं लगता या वे सीखी हुई बातों को जल्दी भूल जाते हैं। ऐसे में हमारे धर्म और ज्योतिष शास्त्र में कुछ ऐसे आध्यात्मिक उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनाकर विद्यार्थी अपनी एकाग्रता, स्मरण शक्ति और आत्मविश्वास को बढ़ा सकता है। यह उपाय केवल अंधविश्वास नहीं बल्कि श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा के माध्यम से मन को स्थिर और एकाग्र बनाने का एक तरीका भी हैं।

विद्यार्थी जब भी पढ़ाई के लिए बैठे तो सबसे पहले अपनी कलम को माथे से लगाकर प्रणाम करना चाहिए। यह एक छोटा सा लेकिन अत्यंत प्रभावशाली आध्यात्मिक अभ्यास माना जाता है। इसके बाद अपनी पाठ्य पुस्तकों के सामने हाथ जोड़कर "ॐ गुरवे नमः" मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। गुरु को ज्ञान का स्रोत माना गया है और यह मंत्र गुरु के प्रति श्रद्धा प्रकट करता है। जब विद्यार्थी इस मंत्र का जप करके पढ़ाई शुरू करता है तो उसके मन में सम्मान, एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यदि इस क्रिया को हर दिन नियमित रूप से किया जाए, तो धीरे-धीरे विद्यार्थी का मन पढ़ाई में अधिक लगने लगता है और ज्ञान को ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ने लगती है।

ज्योतिष शास्त्र में बृहस्पति ग्रह को ज्ञान, बुद्धि और शिक्षा का कारक माना गया है। इसलिए पढ़ाई में सफलता पाने के लिए बृहस्पति की कृपा प्राप्त करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इसके लिए गुरु पुष्य नक्षत्र के समय तांबे का गुरु यंत्र घर में लाना लाभकारी माना जाता है। इस यंत्र को घर लाकर पहले गंगाजल से शुद्ध करना चाहिए और फिर पीले कपड़े में लपेटकर पूजा स्थान पर स्थापित करना चाहिए। इसके बाद प्रतिदिन श्रद्धा के साथ बृहस्पति कवच का पाठ करने से ज्ञान और बुद्धि में वृद्धि होती है और विद्यार्थी को अध्ययन में सफलता मिलने लगती है। यह उपाय मन को स्थिर और सकारात्मक बनाने में भी सहायक माना जाता है।

कुछ सरल दान-पुण्य के कार्य भी पढ़ाई में सफलता दिलाने में सहायक माने गए हैं। मंगलवार के दिन केला, मीठी रोटी, चना और गुड़ बंदरों को खिलाना भी एक ऐसा ही उपाय माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार बंदर भगवान हनुमान के प्रिय माने जाते हैं। जब श्रद्धा के साथ यह दान किया जाता है तो भगवान हनुमान की कृपा प्राप्त होती है। हनुमान जी को बल, बुद्धि और विद्या का दाता माना गया है। इसलिए उनकी कृपा से विद्यार्थी के भीतर आत्मविश्वास और साहस का विकास होता है।

ज्योतिष में मंगल ग्रह को साहस और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। यदि विद्यार्थी का मन पढ़ाई में स्थिर नहीं रहता या उसे बार-बार डर और घबराहट होती है, तो मूंगा धारण करना लाभकारी माना जाता है। लगभग पाँच रत्ती का मूंगा लेकर उसका लॉकेट बनवाकर विद्यार्थी को धारण कराया जा सकता है।

ईंधन आपूर्ति को लेकर योगी सरकार सतर्क, अधिकारियों को निगरानी के निर्देश

एलपीजी संकट: फील्ड में उतरें अधिकारी

एजेंसी | लखनऊ

प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रशासन को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद राज्य के विभिन्न जिलों में प्रशासनिक अधिकारियों ने आपूर्ति व्यवस्था की निगरानी तेज कर दी है और संभावित दिक्कतों को दूर करने के लिए मैदान में उतरकर स्थिति की समीक्षा शुरू कर दी है।

प्रदेश सरकार के निर्देश के बाद कई जिलों में एलपीजी गैस आपूर्ति से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए विशेष कॉल सेंटर स्थापित किए गए हैं।

हेल्पलाइन नंबर पर तत्काल करें शिकायत

देश भर में लगभग पांच लाख रेस्तरांओं का प्रतिनिधित्व करने वाले एनआरएआई ने केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय को लिखे एक पत्र में कहा, "रेस्तरां उद्योग अपने संचालन के लिए मुख्य रूप से वाणिज्यिक एलपीजी पर निर्भर है।

सिलेंडर लेने के लिए लग रही कतार

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के कारण ईंधन आपूर्ति को लेकर लोगों में चिंता बढ़ी है। इसी वजह से राजधानी सहित प्रदेश के कई शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर उपभोक्ताओं की कतारें भी देखी गईं। हालांकि प्रशासन का कहना है कि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है और उपभोक्ताओं को जरूरत के अनुसार उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही गैस बुकिंग से संबंधित तकनीकी समस्याओं को दूर करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर सिलेंडर मिल सके और अनावश्यक परेशानी न हो। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें।

हमीरपुर में होली पर सामने आई दिक्कत

इसमें किसी भी प्रकार की रुकावट से अधिकांश रेस्तरांओं के विनाशकारी रूप से बंद होने की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी।" एसोसिएशन ने बताया कि केंद्र द्वारा 5 मार्च को जारी एक आदेश, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था, ने रेस्तरां को वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति को प्रभावित किया है। बेंगलुरु होटल्स एसोसिएशन (बीएचए) ने सोमवार को कहा कि व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की आपूर्ति अचानक बंद होने के बाद बेंगलुरु में मंगलवार से होटल और रेस्तरां के संचालन प्रभावित होने की संभावना है। पुणे नगर निगम ने केंद्र के 5 मार्च के उस आदेश का हवाला देते हुए, जिसमें देश भर में घरेलू एलपीजी आपूर्ति के लिए उपलब्ध प्रोपेन और ब्यूटेन को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया था।

जमाखोरों पर हो सख्त कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थान पर कृत्रिम संकट या घबराहट की स्थिति न बनने दी जाए। साथ ही जमाखोरी और कालाबाजारी पर सख्त निगरानी रखने तथा अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया है। इन निर्देशों के बाद खाद्य एवं रसद विभाग तथा जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं। कई जिलों में आपूर्ति व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष नियंत्रण कक्ष भी सक्रिय किए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता पर्याप्त है, जबकि गैस सिलेंडर की बुकिंग अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन किए जाने के कारण आपूर्ति में थोड़ा समय लग रहा है। कुछ जिलों में अस्थायी तौर पर दिक्कतें भी सामने आई थीं। उदाहरण के तौर पर हमीरपुर में त्योहारों के दौरान कुछ पेट्रोल पंपों पर आपूर्ति कम होने से समस्या हुई थी, जिसे अब सामान्य कर लिया गया है। वहीं गोरखपुर, प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़ और हापुड़ में गैस सिलेंडर को लेकर उपभोक्ताओं की शिकायतें प्रशासन के संज्ञान में आई हैं। कानपुर में नागरिक आपूर्ति विभाग ने उपभोक्ताओं की शिकायत दर्ज कराने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।

बुआ को बचाने में चली गई तीन भतीजों की जान

एजेंसी | भागलपुर

भागलपुर जिले के घोघा थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दुखद हादसे में तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब वे गंगा नदी में डूब रही एक महिला को बचाने के लिए पानी में उतर गए। जानकारी के अनुसार गोल सड़क स्थित गोल सड़क गंगा घाट पर गंगा स्नान के दौरान एक महिला अचानक गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। महिला

को संकट में देख वहां मौजूद तीन युवक तुरंत उसे बचाने के लिए नदी में कूद पड़े। बताया जाता है कि ओलपुरा के नया टोला निवासी नंदलाल साह के 26 वर्षीय पुत्र कृष्ण कुमार, शालिग्राम साह के 24 वर्षीय पुत्र सनी कुमार और 26 वर्षीय बॉबी कुमार अपनी फुआ रुक्मिणी देवी को बचाने के लिए गंगा में उतरे थे। लेकिन नदी की तेज धारा के कारण तीनों युवक गहराई में फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। बुआ की बच गई जान स्थानीय लोगों की मदद से रुक्मणी देवी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया और उन्हें इलाज के लिए पास के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से तीनों युवकों के शव नदी से बाहर निकाले गए। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

केडीए की कार्रवाई: अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

▶▶ 11 बीघा क्षेत्रफल से हटाया गया निर्माण

एजेंसी | कानपुर

शहर में अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों के खिलाफ Kanpur Development Authority (केडीए) ने बुधवार को सख्त कार्रवाई की। प्रवर्तन टीम ने करीब 11 बीघा भूमि पर की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त करते हुए वहां बनाए गए निर्माणों को हटवा दिया। अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई केडीए के उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल और सचिव अभय कुमार पाण्डेय के निर्देश पर की गई। प्रवर्तन जोन-1 बी की टीम ने विशेष कार्याधिकारी एवं उपजिलाधिकारी डॉ. रवि प्रताप सिंह के नेतृत्व में अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान टीम ने चिरान और ख्यौरा गांवों में अवैध रूप से विकसित की जा रही प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया। दो जेसीबी मशीनों की मदद से वहां बनाई गई सड़कों, नालियों, बाउंड्रीवाल, बिजली के खंभों, पिलरों, प्रवेश द्वार और अन्य अस्थायी निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया। केडीए के मुताबिक ग्राम चिरान में राघव, सुमेर सहित अन्य लोगों द्वारा करीब छह बीघा भूमि पर और ग्राम कटरी ख्यौरा में बलराम सिंह चौहान व अन्य लोगों द्वारा लगभग पांच बीघा भूमि पर बिना स्वीकृत मानचित्र के प्लाटिंग विकसित की जा रही थी।

बिना अनुमति प्लाटिंग कर बिक्री

दोनों स्थानों को मिलाकर करीब 11 बीघा क्षेत्र में किए गए अवैध निर्माणों को हटाया गया। अभियान के दौरान अवर अभियंता हिमांशु बर्नवाल, सुपरवाइजर राम औतार, मनोज कुमार, राज कुमार और लाल सिंह सहित प्रवर्तन दल के अन्य सदस्य मौजूद रहे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए Uttar Pradesh Police की टीम भी मौके पर तैनात रही। बिना अनुमति प्लाटिंग कर बिक्री अधिकारियों ने बताया कि बिना अनुमति प्लाटिंग कर लोगों को प्लॉट बेचने की शिकायतें मिल रही थीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी भूमि पर कॉलोनी विकसित करने से पहले केडीए से नक्शा और लेआउट की स्वीकृति लेना अनिवार्य है। प्राधिकरण ने आम लोगों से अपील की है कि वे केवल स्वीकृत कॉलोनियों में ही प्लॉट खरीदें और जमीन लेने से पहले संबंधित दस्तावेजों तथा प्राधिकरण से जानकारी अवश्य प्राप्त करें।

कुंभ और गंगा कारिडोर के लिए 3000 करोड़

▶▶ उत्तराखंड बजट में धार्मिक पर्यटन को दी गई तरजीह

एजेंसी | देहरादून

उत्तराखंड सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में धार्मिक पर्यटन और आस्था से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता दी है।

कुंभ मेला और कॉरिडोर पर विशेष ध्यान

सरकार ने बजट में Haridwar में आयोजित होने वाले कुंभ मेले की तैयारियों के लिए एक हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके साथ ही Haridwar से Rishikesh तक प्रस्तावित गंगा कॉरिडोर परियोजना के लिए दो हजार करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। यह राशि केंद्र की विशेष सहायता योजना के अंतर्गत खर्च की जाएगी, जिससे क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विकास को गति मिलेगी। उत्तराखंड गंगा, यमुना, चारधाम और अनेक शक्ति पीठों की पवित्र भूमि के रूप में देश-विदेश के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है।

मंदिरों के विकास के लिए विशेष प्रावधान

राज्य सरकार पहले से ही Badrinath Temple और Kedarnath Temple से जुड़ी पुनर्निर्माण परियोजनाओं पर कार्य कर रही है। इसके अलावा मानसखंड मंदिर माला योजना के तहत 48 मंदिरों के आसपास आधारभूत ढांचे के विकास का कार्य जारी है।

'भारत गौरव' से निहारिए दक्षिण भारत की खूबसूरती

▶▶ प्रमुख तीर्थस्थलों के लिए आईआरसीटीसी ने की ट्रेन की घोषणा

▶▶ 22 अप्रैल तक किया जाएगा संचालन, गोरखपुर से होगी रवाना

एजेंसी | लखनऊ

भारतीय रेल की पर्यटन इकाई Indian Railway Catering and Tourism Corporation (आईआरसीटीसी) श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों की विशेष यात्रा का आयोजन कर रही है। इस यात्रा के लिए 'भारत गौरव' पर्यटक ट्रेन का संचालन किया जाएगा, जो 11 अप्रैल से 22 अप्रैल तक चलेगी।

पैकेज में लंच-डिनर भी शामिल

यात्रा पैकेज में ट्रेन से आवागमन के साथ नाश्ता, दोपहर और रात्रि का शाकाहारी भोजन भी शामिल होगा। इसके अलावा स्थानीय स्थलों के भ्रमण के लिए एसी और नॉन-एसी बसों की व्यवस्था तथा ठहरने के लिए होटलों में आवास की सुविधा भी दी जाएगी। पैकेज शुल्क श्रेणी के अनुसार अलग-अलग निर्धारित किया गया है।

बांदा में आयकर और ईडी का संयुक्त छापा

▶▶ कई कारोबारियों व ठेकेदारों के ठिकानों पर डाली गई रेड

एजेंसी | बांदा

उत्तर प्रदेश के Banda में बुधवार सुबह आयकर विभाग और Enforcement Directorate (ईडी) की संयुक्त टीमों ने कई व्यापारियों और ठेकेदारों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग और आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामलों की जांच के तहत की जा रही है।

निशाने पर बड़े बालू ठेकेदार

जिन लोगों के यहां जांच चल रही है, उनमें बिजली विभाग के ठेकेदार हिम्मत सिंह, महाराणा प्रताप चौराहे के पास स्थित अवनी परिधि अस्पताल के संचालक अज्ञात गुप्ता, मौरंग कारोबार से जुड़े सीरज ध्वज सिंह और शिवशरण सिंह, पेट्रोल पंप संचालक तथा भाजपा से जुड़े दिलीप सिंह और पूर्व विधायक दलजीत सिंह समेत कई नाम सामने आए हैं।

घरेलू एलपीजी का कोई संकट नहीं

▶▶ कलेक्टर ने की समीक्षा संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

एजेंसी | बिलासपुर

अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच घरेलू एलपीजी की उपलब्धता को लेकर जिला प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। बुधवार को कलेक्टर संजय अग्रवाल ने खाद्य विभाग के अधिकारियों और गैस वितरकों के साथ बैठक कर जिले में गैस आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में घरेलू गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है और लोगों को घबराने या अनावश्यक रूप से सिलेंडर जमा करने की जरूरत नहीं है।

नो-एंट्री में राहत देने का अनुरोध

बैठक के दौरान गैस वितरकों ने शहर में लागू नो-एंट्री व्यवस्था में कुछ राहत देने का अनुरोध भी किया, जिस पर कलेक्टर ने विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अनावश्यक रूप से गैस सिलेंडर का भंडारण न करें।

वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी

जिला प्रशासन द्वारा गैस वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर ने गैस एजेंसी संचालकों को निर्देश दिया कि घरेलू एलपीजी सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किसी भी स्थिति में न होने दिया जाए। उन्होंने कहा कि एजेंसी संचालक स्वयं वितरण व्यवस्था की निगरानी करें और ब्लैक मार्केटिंग या अनधिकृत वितरण की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। बैठक में जानकारी दी गई कि जिले में लगभग 4.80 लाख घरेलू गैस कनेक्शन हैं।

बिकवाली की आंधी में 5.28 लाख करोड़ की चपत

▶▶ सेंसेक्स 1565 अंक और निफ्टी में 464 अंक की गिरावट

एजेंसी | नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को तेज गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। कारोबार के दौरान प्रमुख सूचकांकों में तेज बिकवाली देखने को मिली और बाजार बंद होने तक निवेशकों की संपत्ति में लगभग 5.28 लाख करोड़ रुपये की कमी आ गई। आज के कारोबार में Jio Financial Services, Dr. Reddy's Laboratories, Sun Pharmaceutical Industries, Coal India और NTPC के शेयरों में बढ़त देखी गई। दूसरी ओर Bajaj Finance, Axis Bank, Bajaj Finserv, Mahindra & Mahindra और Eicher Motors के शेयरों में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई।

सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

दिन के कारोबार में BSE Sensex ऊपरी स्तर से करीब 1,565 अंक तक टूट गया। अंतत: यह 1,342.27 अंक यानी लगभग 1.72 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,863.71 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह Nifty 50 भी दबाव में रहा और कारोबार के दौरान अपने उच्च स्तर से लगभग 464 अंक तक फिसल गया। दिन के अंत में निफ्टी 394.75 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,866.85 अंक पर बंद हुआ।

अधिकांश सेक्टरों में कमजोरी

कारोबार के दौरान अधिकतर सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स क्षेत्र में सबसे अधिक बिकवाली देखी गई। इसके अलावा आईटी, मेटल, कैपिटल गुड्स और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के शेयरों में भी कमजोरी रही। हालांकि ऑयल एंड गैस तथा फार्मास्यूटिकल सेक्टर के कुछ शेयरों में खरीदारी का रुख बना रहा। ब्रॉडर मार्केट पर भी दबाव बड़े शेयरों के साथ-साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर भी दबाव बना रहा। मिडकैप इंडेक्स करीब 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में लगभग 0.36 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। बाजार में आई गिरावट का असर कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण पर भी पड़ा। Bombay Stock Exchange में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप घटकर लगभग 441.76 लाख करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 447.04 लाख करोड़ रुपये था।

सर्राफा बाजार में उछले सोने के दाम

एजेंसी | नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेज बढ़त दर्ज की गई। कारोबार की शुरुआत से ही कीमती धातुओं में मजबूती का रुख देखा गया, जिससे सोना 670 से 720 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। वहीं चांदी के दाम में भी उल्लेखनीय उछाल आया और इसकी कीमत में लगभग 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई। सोने की कीमतों में जोरदार तेजी कीमतों में आई तेजी के बाद देश के अधिकांश बाजारों में 24 कैरेट सोना करीब 1,62,390 रुपये से 1,62,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोने का

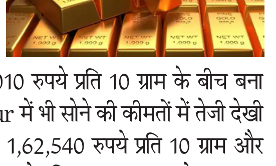

भाव 1,48,860 रुपये से 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। Lucknow और Jaipur में भी सोने की कीमतों में तेजी देखी गई। यहां 24 कैरेट सोना लगभग 1,62,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना करीब 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता रहा। प्रमुख शहरों में सोने के भाव राजधानी New Delhi में 24 कैरेट सोने का भाव लगभग 1,62,540 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया, जबकि 22 कैरेट सोना करीब 1,49,010 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। देश की आर्थिक राजधानी Mumbai में 24 कैरेट सोना करीब 1,62,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,48,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रहा।

सेल: 11 महीने में बना बिक्री का नया रिकॉर्ड

एजेंसी | नई दिल्ली

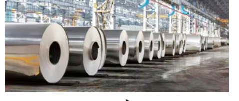

देश की सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख इस्पात निर्माता कंपनी Steel Authority of India Limited (सेल) ने वित्त वर्ष 2025-26 के पहले 11 महीनों में स्टील बिक्री का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने अप्रैल से फरवरी की अवधि में अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज करते हुए अपने प्रदर्शन में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दिखाई है। 18.24 मिलियन टन स्टील की बिक्री कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से फरवरी के दौरान कुल 18.24 मिलियन टन स्टील की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 14 प्रतिशत अधिक है। बिक्री में इस बढ़ोतरी से कंपनी की बाजार में मांग और वितरण प्रणाली की मजबूती भी स्पष्ट होती है।

नकद संग्रह में भी बढ़ोत्तरी

इसी अवधि में कंपनी का कुल नकद संग्रह लगभग 1.11 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में करीब 10 प्रतिशत अधिक है। कंपनी की रिटेल बिक्री, स्टॉकयार्ड के माध्यम से आपूर्ति और डोर-डिलीवरी व्यवस्था में भी उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। Ministry of Steel के अनुसार फरवरी 2026 के दौरान कंपनी ने 1.58 मिलियन टन स्टील की बिक्री की। इसके साथ ही कंपनी ने जनवरी की तुलना में अपने स्टॉक में लगभग 1.05 लाख टन की कमी की और कर्ज में भी करीब 1,000 करोड़ रुपये की कटौती की है। बाजार की मांग को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने चेकर्ड प्लेट्स का उत्पादन फिर से शुरू किया है। पहली बार झारखंड स्थित Bokaro Steel Plant में इन प्लेट्स का निर्माण किया जा रहा है, जिससे संबंधित क्षेत्रों की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी।

प्रबंधन ने जताया संतोष

कंपनी के निदेशक (वित्त) एवं निदेशक (वाणिज्यिक) A. K. Panda ने कहा कि बाजार की परिस्थितियों के अनुसार कंपनी अपनी रणनीतियों को लगातार ढाल रही है। उन्होंने बताया कि इन्वेंट्री और वर्किंग कैपिटल के प्रभावी प्रबंधन से वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में मदद मिली है।

फरवरी में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़ा

AUM 82 लाख करोड़ रुपये के पार

एजेंसी | नई दिल्ली

घरेलू निवेशकों का म्यूचुअल फंड योजनाओं में भरोसा लगातार मजबूत होता दिखाई दे रहा है। ताजा आंकड़ों के अनुसार फरवरी महीने में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश बढ़कर 25,965 करोड़ रुपये हो गया। यह जनवरी में आए 24,013 करोड़ रुपये के निवेश की तुलना में लगभग 8.2 प्रतिशत अधिक है। ये आंकड़े (एएमएफआई) द्वारा जारी किए गए हैं।

एसेट्स अंडर मैनेजमेंट में बढ़ोतरी

म्यूचुअल फंड उद्योग का कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) भी फरवरी में बढ़ा है। यह मासिक आधार पर लगभग 1.3 प्रतिशत बढ़कर करीब 81 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया।

तनाव के बीच उछले गैस क्षेत्र की कंपनी के शेयर

एजेंसी | नई दिल्ली

मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण ऊर्जा बाजार पर दबाव बढ़ गया है। Iran और Israel के बीच जारी संघर्ष के चलते कच्चे तेल के साथ एलपीजी की आपूर्ति को लेकर भी अनिश्चितता बढ़ी है। इसका असर भारत समेत कई देशों के ऊर्जा बाजार पर देखा जा रहा है। इसी पृष्ठभूमि में बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई, हालांकि गैस क्षेत्र से जुड़ी एक कंपनी के शेयर में तेज उछाल देखने को मिला।

कैब्सन्स इंडस्ट्रीज के शेयर उछले

गैस सिलेंडर और संबंधित उपकरण बनाने वाली कंपनी Kabsons Industries Ltd के शेयर में कारोबार के दौरान जोरदार तेजी आई। मंगलवार को यह शेयर 13.40 रुपये पर बंद हुआ जबकि बुधवार को यह 13.50 रुपये पर खुला।

हालिया प्रदर्शन रहा कमजोर

हालांकि एक दिन की तेजी के बावजूद कंपनी के शेयर का हालिया प्रदर्शन बहुत मजबूत नहीं रहा है। पिछले एक महीने में इसमें लगभग चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं छह महीने की अवधि में यह करीब 22 प्रतिशत तक कमजोर हुआ है। एक वर्ष के दौरान भी निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा है और इस अवधि में शेयर में 35 प्रतिशत से अधिक गिरावट आई है। हालांकि लंबी अवधि में इसका प्रदर्शन बेहतर रहा है और पांच वर्षों में इसमें करीब 220 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

लगभग ऋणमुक्त है कंपनी

वर्ष 1974 में स्थापित Kabsons Industries Ltd का मुख्यालय Hyderabad में है। कंपनी एलपीजी बॉटलिंग और वितरण से जुड़े कारोबार में सक्रिय है। इसके अलावा यह गैस सिलेंडर, वाल्व और रेगुलेटर जैसे उपकरणों का निर्माण भी करती है। कंपनी के उत्पादन संयंत्र Aurangabad, Palej, Khurda और Ranchi में स्थित हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार कंपनी लगभग ऋणमुक्त है और इसका बाजार पूंजीकरण करीब 28 करोड़ रुपये के आसपास बताया जाता है।

मेरा लक्ष्य सुपर टीम बनाना सुपरस्टार नहीं : गंभीर

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि उनका लक्ष्य टीम में 'सुपरस्टार' बनाना नहीं, बल्कि एक 'सुपर टीम' तैयार करना है। उन्होंने कहा, मुख्य कोच के तौर पर मेरी जिम्मेदारी मजबूत और संतुलित टीम तैयार करना है। गंभीर ने कहा कि मीडिया सुपरस्टार बनाना चाहता है, लेकिन मुख्य कोच के तौर पर मेरा काम एक सुपर टीम बनाना है। मैं अपने पेशे को इसी नजरिए से देखता हूं, क्योंकि मेरी जिम्मेदारी है कि मैं पूरी तरह निष्पक्ष रहूं और ड्रेसिंग रूम में मौजूद सभी 15 खिलाड़ियों के साथ समान व्यवहार करूं।

पिच संबंधी आरोप नकारे

गौतम गंभीर ने इस आलोचना को सिरे से खारिज कर दिया कि भारत में विकेट मेजबान टीम के अनुकूल तैयार किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें अक्सर विवाद पैदा करने और टीआरपी बटोरने के लिए कही जाती हैं। गंभीर ने कहा कि टीम ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों ने विदेशी परिस्थितियों में भी 200 रन बनाए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों में पिचें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के नियंत्रण में होती हैं, न कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के।उन्होंने कहा, भारत इतनी अच्छी टीम है कि उसे ऐसी चीजों के बारे में सोचने की भी जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि कुछ लोग विवाद पैदा करना चाहते हैं। गंभीर ने ग्रुप चरण में कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का भी उदाहरण दिया। उस मुकाबले में भारत ने 175 रन बनाए थे, जबकि अन्य टीमें उसी पिच पर लगभग 140 के आसपास ही पहुंच पा रही थीं, लेकिन तब किसी ने पिच पर सवाल नहीं उठाया।

आंकड़ों पर बोले... डेटा नहीं, अंतरात्मा पर भरोसा

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा है कि वह कोच के तौर पर फैसले लेते समय आंकड़ों से ज्यादा अपने 'इंस्टिंक्ट' यानी अंतरात्मा पर भरोसा करते हैं। उनका मानना है कि अगर उन्हें लगता है कि कोई फैसला टीम के लिए सही है तो वह उस पर पूरी तरह कायम रहते हैं। गंभीर ने कहा कि हर नेता की अपनी अलग सोच और दृष्टि होती है। भारतीय टीम कैसे खेलेगी, कैसे व्यवहार करेगी और मैदान के बाहर खुद को कैसे प्रस्तुत करेगी, यह उनके कार्यकाल के दौरान उनकी अपनी सोच और दर्शन को दर्शाता है।

धौनी के पोस्ट पर... दबाव में चाहकर भी नहीं हंस सकता

गौतम गंभीर ने महेंद्र सिंह धौनी के उस सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया भी दी जिसमें पूर्व कप्तान ने लिखा था कि आपकी मुस्कान आप पर बहुत अच्छी लगती है। गंभीर ने कहा कि भारत जैसे देश में विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलते समय खिलाड़ियों और टीम स्टाफ पर इतना दबाव होता है कि कई बार चाहकर भी भावनाओं को खुलकर व्यक्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में होना आसान नहीं है, जहां बहुत कम लोग रहे हैं। लेकिन अच्छा लगा कि उन्होंने इस पर पोस्ट किया।

सूर्यकुमार यादव पर...कप्तान ने मेरा काम आसान कर दिया

गंभीर ने भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सूर्य बेहतरीन लीडर हैं। इस प्रारूप में उन्होंने मेरा काम काफी आसान कर दिया है। जिस तरह वह टीम के माहौल को हल्का रखते हैं और खिलाड़ियों से बातचीत करते हैं, वह शानदार है। इससे मुझे रणनीतिक चीजों पर ध्यान देने का मौका मिलता है। फाइनल में इस शानदार जीत के बाद, सूर्यकुमार टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे बेहतरीन जीत प्रतिशत (80.77%) वाले कप्तान बन गए हैं।

अभिषेक की बादशाहत कायम ईशान दूसरे नंबर पर

▶▶ पहली बार दो भारतीय बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष दो स्थानों पर

टी-20 रैंकिंग

एजेंसी । दुबई

टीम इंडिया को लगातार दूसरी बार टी-20 विश्व कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले ईशान किशन करियर में पहली बार रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए। यह पहला मौका है जब दो भारतीय बल्लेबाज टी-20 रैंकिंग में पहले और दूसरे नंबर पर हैं। अभिषेक शर्मा ने आईसीसी की बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा।अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से क्रिकेट प्रेमियों को मंत्रमुग्ध करने वाले ईशान ने विश्व कप में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर दो पायदान की छलांग लगाई है। उन्होंने पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान (तीसरे) और इंग्लैंड के फिल सॉल्ट (चौथे) को पीछे छोड़ा। किशन (871 अंक) और अभिषेक (875 अंक) के बीच सिर्फ चार रेटिंग अंकों का फासला है। तिलक वर्मा एक स्थान नीचे सातवें और कप्तान सूर्यकुमार दो पायदान नीचे नौवें स्थान पर लुढ़क गए हैं। श्रीलंका के पथुम निसंका पांचवें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के ओपनर टिम सीफर्ट चार पायदान ऊपर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

चक्रवर्ती ने शीर्ष स्थान गंवाया

भारतीय स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती (740 अंक) ने गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान अफगानिस्तान के राशिद खान (753 अंक) को गंवा दिया है। राशिद की टीम ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई थी। इसके बावजूद वह नंबर एक की कुर्सी पर पहुंचने में सफल रहे। भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह एक स्थान ऊपर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। पाक के अबरार अहमद तीसरे और इंग्लैंड के आदिल रशीद एक स्थान ऊपर चौथे स्थान पर हैं। भारत के अर्शदीप सिंह तीन स्थान नीचे 16वें स्थान पर खिसक गए। अक्षर पटेल छह पायदान ऊपर 17वें स्थान पर पहुंच गए।

हार्दिक की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग

ऑलराउंडरों में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा (328 अंक) और भारत के हार्दिक पांड्या (299 अंक) करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग के साथ क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर कायम हैं। पाक के सैम अयूब तीसरे और नेपाल के दीपेंद्र सिंह एरी चौथे स्थान पर हैं। भारत के शिवम दुबे दो पायदान नीचे 11वें स्थान पर खिसक गए हैं। भारतीय विकेटकीपर संजू सैमसन 18 पायदान की लंबी छलांग लगाकर 22वें स्थान पर पहुंच गए हैं। शिवम दुबे चार पायदान ऊपर 27वें स्थान पर हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

डिवाईन क्रिकेट अकादमी चैंपियन

मुंबई। मैन ऑफ द मैच रहे माधव ठाकरे द्वारा किए गए उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर अंडर-14 एचडीएफसी बैंक परिवर्तन कप के फाइनल में डिवाईन क्रिकेट अकादमी ने स्पोर्ट्स फील्ड एकादश की टीम को 10 रनों से पराजित करके चैंपियन होने का गौरव हासिल किया। न्यू पनवेल के मैदान पर खेले गए मुकाबले में स्पोर्ट्स फील्ड एकादश ने टॉस जीतकर विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। गेंदबाजों को मदद कर रही पिच पर डिवाईन क्रिकेट अकादमी ने 31.1 ओवरों में 102 रनों का स्कोर खड़ा करने में सफर रही, जिसमें योहन बरुआ ने 21 और माधव ठाकरे ने 33 रनों का उल्लेखनीय योगदान दिया।

आदित्य अग्रवाल की आसान जीत

मुंबई। आदित्य अग्रवाल ने इमदाद खान को 58-3, 58-17, 43-50, 71-5 से पराजित करके क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया स्थित विल्सन जोन्स बिलियर्ड्स हॉल में खेले जा रहे सीसीआई स्नूकर क्लासिक 2026 प्रतियोगिता के दूसरे दौर के मुकाबले में आसान जीत दर्ज की। पहले दौर के अन्य मैचों में सायरस आगा ने आयुष पाटिल को 25-51, 66-43, 21-76, 61-15, 51-42 से, पुनीत ठक्कर ने अमित पूजारी को 52-1, 75-9, 65-39 से, करण चुग ने अनुज अग्रवाल को 58-36, 73-30, 47-61, 53-45 से हराते हुए अगले दौर में जगह बनाई।

बांग्लादेश ने पहले वनडे में पाकिस्तान को हराया

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने पहले वनडे में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को 8 विकेट से हराते हुए 3 मैचों की सीरीज में बढ़त हासिल की। ढाका में खेले गए मैच में पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने निराश किया और पूरी टीम 30.4 ओवर में सिर्फ 114 रन पर सिमट गई। जवाब में छोटे से लक्ष्य को बांग्लादेश ने तंजीद हसन तमीम (67*) की अर्धशतकीय पारी की मदद से हासिल किया।

आसानी से जीती बांग्लादेशी टीम

टॉस हारकर पहले खेलते हुए पाकिस्तान से साहिबजादा फरहान (27) और माज सदाकत (18) के रूप में सलामी बल्लेबाज जल्दी आउट हुए। इसके बाद नाहिद राणा की घातक गेंदबाजी (5/24) के चलते पाकिस्तान के विकेटों का पतझड़ सा लग गया। निचले क्रम में फहीम अशरफ ने 37 रन बनाकर टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया।

नाहिद राणा ने लिया अपना पहला 5 विकेट

राणा ने अपने पहले ओवर में फरहान (27) को आउट करते हुए विकेटों का खाता खोला। उन्होंने अपने दूसरे ओवर में शमील हुसैन (4), तीसरे ओवर में माज सदाकत (18), चौथे ओवर में रिजवान (10) और पांचवें ओवर में सलमान आगा (5) को पवेलियन की राह दिखाई। उनकी तेज गति का विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं दिखा। उन्होंने अपने 7 ओवर में 24 रन देते हुए ये 5 विकेट लिए।

तंजीद हसन तमीम ने लगाया तेज अर्धशतक

तंजीद हसन तमीम ने सिर्फ 32 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह उनके वनडे करियर का कुल 5वां और पाकिस्तान के खिलाफ पहला अर्धशतक साबित हुआ। वह 42 गेंदों में 67 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए नजमुल हुसैन शांतो (27) के साथ मिलकर 82 रन की साझेदारी की। सलामी बल्लेबाज तंजीद हसन अपने युवा वनडे करियर में अब तक 600 से अधिक रन बना चुके हैं।

आईसीसी ने घोषित की टी-20 विश्व कप की इनामी राशि

▶▶ भारतीय टीम को मिले 26,39,423 अमेरिकी डॉलर

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 के समापन के बाद खिलाड़ियों के लिए तय कुल 1.125 करोड़ अमेरिकी डॉलर की प्राइज मनी का अंतिम वितरण घोषित कर दिया है। टूर्नामेंट की विजेता टीम भारतीय क्रिकेट टीम को

सबसे बड़ी राशि 26,39,423 अमेरिकी डॉलर (करीब 26.39 लाख डॉलर) मिली है, जो सभी टीमों में सबसे अधिक है। टीम इंडिया ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया और इसी के साथ प्राइज मनी सूची में भी शीर्ष स्थान हासिल किया।

हर टीम को मिला बेस भुगतान

आईसीसी के अनुसार टूर्नामेंट में भाग लेने वाली हर टीम को 2,25,000 डॉलर का बेस भुगतान दिया गया। इसके अलावा टीमों को उनके प्रदर्शन, मैच जीतने और विभिन्न चरणों में आगे बढ़ने के आधार पर अतिरिक्त राशि दी गई। इस बार टूर्नामेंट में भारत का प्रदर्शन बेहद दमदार रहा।

बॉलीवुड

हंसिका मोटवानी का हुआ तलाक

मशहूर अभिनेत्री हंसिका मोटवानी ने अपने व्यवसायी पति सोहेल कथूरिया से शादी के करीब 4 साल के अंदर तलाक ले लिया है। मुंबई के बांद्रा स्थित फैमिली कोर्ट ने हंसिका और सोहेल के तलाक पर मुहर लगाई है। दरअसल, दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने के लिए कोर्ट में अर्जी दी थी। बता दें, हंसिका ने अपनी सहेली रिंकी बजाज के पूर्व पति, सोहेल से साल 2022 में शादी रचाई थी। हंसिका और सोहेल ने 4 दिसंबर, 2022 को जयपुर के मुंडोटा फोर्ट और पैलेस में भव्य शादी रचाई थी जिसमें परिवार और करीबी रिश्तेदार शामिल हुए थे। हालांकि, शादी के 3 साल बाद ही उनके रिश्ते में दरार की खबरें आने लगीं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह तक दावा किया गया था कि हंसिका अपने पति सोहेल से अलग रह रही हैं। यह अलग बात है कि अलगाव की अटकलों पर अभिनेत्री ने कभी प्रतिक्रिया देने जरूरी नहीं समझा था। इंडिया टुडे के मुताबिक, हंसिका के वकील अदनान शेख ने बताया कि दंपति शादी के बाद कुछ साल तक साथ रहे। हालांकि, धीरे-धीरे उन्हें अपने स्वभाव, सोच और जीवनशैली में अंतर का एहसास हुआ जिससे उनके बीच मतभेद होने लगे। याचिका के अनुसार, दोनों छोटी-छोटी बात पर झगड़ते थे। इसलिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया और 2 जुलाई, 2024 से वह अलग रह रहे हैं। हंसिका ने अपने स्त्रीधन और गुजारा भत्ता के लिए कोई दावा नहीं किया है।

प्यार, दीवानगी और तड़प को दिखाता है 'एक दिन' का ट्रेलर

जुनैद खान और साई पल्लवी की आगामी फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर जारी हो गया है। इसका निर्माण आमिर खान प्रोडक्शन के बैनर तले किया गया है जिसके जरिए साई बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। यह एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है जिसका निर्देशन सुनील पांडे ने किया है। कुछ दिन पहले फिल्म का टीजर आया था जिसे लोगों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। अब जब 'एक दिन' का ट्रेलर आया है। 'एक दिन' का ट्रेलर 2 मिनट 13 सेकंड लंबा है जिसकी शुरुआत जुनैद से होती है। उसकी ख्वाहिश है कि वह एक दिन के लिए ही सही, लेकिन मीरा (साई पल्लवी) को पा सके। उसकी यह इच्छा पूरी भी होती है, लेकिन एक रहस्यमयी मोड़ ऐसा आता है, जब उसका यह सपना टूट जाता है। ट्रेलर में प्यार, दीवानगी और तड़प का मिश्रण बखूबी पेश किया गया है। जुनैद की यह फिल्म 1 मई, 2026 को सिनेमाघरों का रुख करेगी।

भारत भाग्य विधाता में कंगना रनौत

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने अगली फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म का आधिकारिक ऐलान 2024 में किया गया था, जिसके निर्देशन की कमान मनोज तापड़िया ने संभाली है। जनवरी, 2025 में आई 'इमरजेंसी' की ठीक-ठाक प्रतिक्रिया के बाद, फैंस भी कंगना की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच, 'भारत भाग्य विधाता' के विषय से जुड़ा नया अपडेट आया है जो 26/11 हमले से प्रेरित होगा। फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' 2008 में मुंबई पर हुए 26/11 हमलों के दौरान कामा और अल्बलेस अस्पताल में हुई घटना पर आधारित होगी। इसमें दिखाया जाएगा कि कैसे अस्पताल कर्मचारियों ने मुश्किल वक्त में स्थिति संभाली और साहस का परिचय दिया। 26 नवंबर, 2008 की रात अजमल कसाब और अबू इस्माइल खान अस्पताल में घुसे थे। हमले में 6 गार्ड मारे गए, जबकि कई कर्मचारी घायल हो गए थे। वैरायटी इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में आगे बताया कि कंगना को इस फिल्म में एक नर्स का किरदार निभाते देखा जाएगा। यह पहली दफा होगा जब अभिनेत्री इस तरह का किरदार पर्दे पर निभाती दिखाई देंगी। उनके साथ मराठी अभिनेत्री गिरिजा ओक भी अहम किरदार में नजर आएंगी। बताया जाता है कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिलहाल पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। खबरों के मुताबिक, 'भारत भाग्य विधाता' इसी साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

नागार्जुन अक्किनेनी का विंटेज लुक

सुपरस्टार नागार्जुन अक्किनेनी ने अपनी 100वीं फिल्म का ऐलान पिछले साल किया था। निर्देशक कार्तिक ने इसकी शूटिंग भी शुरू कर दी है जिसका अस्थायी शीर्षक फिलहाल 'किंग 100' रखा गया है। फिल्म से जुड़ी ताजा जानकारी के मुताबिक, नागार्जुन इसमें बिल्कुल अलग तरह के अवतार में दिखाई देंगे। इस खबर ने अभी से फैंस को उत्साहित कर दिया है। मीडिया रिपोट्र्स की मानें, तो 'किंग 100' एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म होगी जिसके इसी साल आने की उम्मीद है। फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी जल्द ही आधिकारिक तौर पर जारी की जाएगी। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, निर्देशक कार्तिक ने फिल्म में अभिनेता का विंटेज लुक होने की अटकलों पर कहा, ₹दर्शकों को स्क्रीन पर नागार्जुन का बेहद स्टाइलिश रूप देखने को मिलेगा।₹ उन्होंने संकेत दिया कि नागार्जुन कई अलग-अलग लुक में दिखाई देंगे। उनके यह लुक फैंस को उनकी कुछ यादगार भूमिकाओं की याद दिला देंगे। 123 तेलुगु की रिपोर्ट के अनुसार, 'किंग 100' में नागार्जुन के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू नजर आ सकती हैं। बताया जा रहा है कि उनकी भूमिका कहानी के लिए बेहद जरूरी होगी। इसके अलावा, फिल्म में नागा चैतन्य और अखिल अक्कीनेनी का कैमियो भी देखने को मिल सकता है। बता दें, इससे पहले यह तिकड़ी ब्लॉकबस्टर कल्ट क्लासिक फिल्म 'मनम' (2014) में साथ नजर आ चुकी है। फिलहाल फिल्म की कास्ट और रिलीज तारीख पर आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

साइबर ठगों पर आई4सी का डिजिटल प्रहार

1855 दिन में 24.65 लाख शिकायतें दर्ज

ठगों के हाथ में जाने से बचाए '8690' करोड़ रुपये

एजेंसी । नई दिल्ली

डिजिटल इंडिया के इस दौर में साइबर ठगों के खिलाफ देश की सुरक्षा दीवार और भी मजबूत हो गई है। 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (I4C) के अंतर्गत शुरू की गई रिपोर्टिंग प्रणाली ने पिछले 5 वर्षों में ठगों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए 8,690 करोड़ से अधिक की राशि बचाने में सफलता हासिल की है।

वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रोकने के लिए I4C की शुरुआत

बता दें कि वित्तीय धोखाधड़ी की तत्काल रिपोर्टिंग और जालसाजों द्वारा धन की हेराफेरी को रोकने के लिए वर्ष 2021 में I4C शुरु किया गया था। ऑनलाइन साइबर शिकायतें दर्ज करने में सहायता के लिए एक टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर '1930' चालू किया गया है। I4C में एक अत्याधुनिक साइबर धोखाधड़ी निवारण केंद्र (सीएफएमसी) स्थापित किया गया है, जहां प्रमुख बैंकों, वित्तीय मध्यस्थों, भुगतान एग्रीगेटरों, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, आईटी मध्यस्थों और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि साइबर अपराध से निपटने के लिए तत्काल कार्रवाई और निर्बाध सहयोग के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

12.94 लाख सिम कार्ड और 3.03 लाख मोबाइल डिवाइस ब्लॉक

ठगों के बुनियादी ढांचे को तोड़ने के लिए सरकार ने 31 जनवरी 2026 तक 12.94 लाख सिम कार्ड और 3.03 लाख मोबाइल डिवाइस ब्लॉक कर दिए हैं। 'संचार साथी' और 'NCRP' के बीच सीधा तकनीकी जुड़ाव किया गया है, जिससे संदिग्ध नंबरों की जानकारी मिलते ही टेलीकॉम कंपनियां उन पर तुरंत कार्रवाई करती हैं।

'संदिग्ध रजिस्टर' और करोड़ों का सुरक्षा कवच

10 सितंबर 2024 को एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए 'संदिग्ध रजिस्टर' शुरू किया गया। इसमें 23.05 लाख संदिग्धों का डेटा और 27.37 लाख 'म्यूल अकाउंट्स' (दूसरों के नाम पर खुले खाते) की जानकारी दर्ज है। इसके जरिए अब तक 9,518 करोड़ के संदिग्ध लेनदेन को बैंकों ने सफलतापूर्वक अस्वीकार कर दिया है।

जामताड़ा से मेवात तक: हॉटस्पॉट पर नकेल

साइबर अपराध के गढ़ माने जाने वाले इलाकों (जैसे जामताड़ा, मेवात, अहमदाबाद) के लिए सात संयुक्त साइबर समन्वय दल गठित किए गए हैं। साथ ही, 'प्रतिबिंब' मॉड्यूल की मदद से अपराधी और उनके मोबाइल टावर की लोकेशन को डिजिटल नक्शे पर देखा जाता है। इसी तकनीक की वजह से 21,857 से अधिक शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस और जजों की 'डिजिटल पाठशाला'

अपराधियों से दो कदम आगे रहने के लिए पुलिस और न्यायिक अधिकारियों को 'Cy-Train' पोर्टल के जरिए ऑनलाइन ट्रेनिंग दी जा रही है। अब तक लगभग 1.5 लाख अधिकारी इस पर रजिस्टर हो चुके हैं। दिल्ली और असम में अत्याधुनिक डिजिटल जांच सहायता केंद्र बनाए गए हैं, जो पुलिस को मोबाइल और कंप्यूटर से सबूत जुटाने में मदद करते हैं।

केरल को 10 हजार करोड़ की सौगात

सुरक्षा-कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध: पीएम

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल के कोच्चि में 10,000 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात देकर राज्य की प्रगति को नई रफ़्तार दी है। मछुआरा समुदाय के बीच पहुँचकर प्रधानमंत्री ने न केवल उनकी ऐतिहासिक भूमिका की सराहना की, बल्कि बुनियादी ढांचे और उद्योग जगत के लिए भी बड़े निवेश की घोषणा की।

'केरलम' और मछुआरा समुदाय का गौरव

प्रधानमंत्री ने केरल का नाम बदलकर 'केरलम' किए जाने को मलयाली भाइयों के लिए एक ऐतिहासिक और खुशी का क्षण बताया। उन्होंने 2018 की विनाशकारी बाढ़ का जिक्र करते हुए मछुआरा समुदाय की बहादुरी को सलाम किया। उन्होंने 'धीवारा सभा' के 50 वर्षों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र सरकार मछुआरों के अधिकारों और उनकी मजबूती के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कोच्चि रिफाइनरी में 5,500 करोड़ का निवेश

औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री ने बीपीसीएल (BPCL) की कोच्चि रिफाइनरी में पॉलीप्रोपाइलीन यूनिट की आधारशिला रखी। 5,500 करोड़ से अधिक की लागत वाली यह यूनिट न केवल रोजगार पैदा करेगी।

नेशनल हाईवे और रेलवे का 'नेटवर्क'

कनेक्टिविटी को सुधारने के लिए 4,000 करोड़ से अधिक की लागत वाली दो प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। साथ ही, रेलवे क्षेत्र में 142 करोड़ की परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया गया।

न्यूज़ ब्रीफ

दो आरोपियों की पांच दिन एनआईए हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। पटियाला हाउस कोर्ट ने लालकिले के पास हुए धमाके मामले में दो आरोपियों की राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) हिरासत पांच दिन के लिए और बढ़ा दी है। अदालत ने जांच एजेंसी को दोनों से आगे पूछताछ करने की अनुमति दी है। विशेष न्यायाधीश पीतांबर दत्त की अदालत ने बुधवार को आरोपी जमीर अहमद अहंगर और तुफैल अहमद भट्ट को कोर्ट में पेश किए जाने के बाद उनकी हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। अदालत ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए कार्यवाही इन-कैमरा की थी। एनआईए ने दोनों आरोपियों को फरवरी में इस साजिश में सक्रिय भूमिका के आरोप में औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया था।

ड्रग तस्करी में दो विदेशियों को 20 साल की सजा

अहमदाबाद। अहमदाबाद की एक कोर्ट ने एक इंटरनेशनल ड्रग तस्करी के मामले में दो विदेशी नागरिकों को 20 साल की सजा सुनाई है। सजा पाने वाले एक नाइजीरियाई और एक जाम्बियन नागरिक हैं। नाइजीरियाई नागरिक का नाम 37 वर्षीय न्वाओबू क्रिश्चियन अरिन्जे हैं वह नशीले पदार्थ का प्राप्तकर्ता था। दूसरे जाम्बियन नागरिक का नाम हंचबिला जॉन है। उसे दुबई-अहमदाबाद फ्लाइट में 2.75 किलो हेरोइन के साथ पकड़ा गया था। नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट मामलों की स्पेशल कोर्ट ने दोनों आरोपियों पर 2-2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

गेन बिटकॉइन घोटाले में आयुष वार्ष्णेय गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 20,000 करोड़ रुपये के गेन बिटकॉइन मुद्रा घोटाले के मुख्य आरोपियों में शामिल एवं डार्विन लैब्स के सह-संस्थापक आयुष वार्ष्णेय को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सीबीआई ने वार्ष्णेय के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। वार्ष्णेय को सोमवार को देश से भागने की कोशिश करते समय मुंबई हवाई अड्डे से हिरासत में लिया गया। उसे मंगलवार को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीआई के अनुसार, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल ढांचे को तैयार किया था, जिस पर कथित तौर पर चल रहे गेन बिटकॉइन घोटाले की पूरी तकनीकी प्रणाली आधारित थी।

करप्शन इन द ज्यूडिशियरी मामला

विवादित चैप्टर तैयार करने वाले लेखकों को हर जगह से हटाने का आदेश

एजेंसी । नई दिल्ली

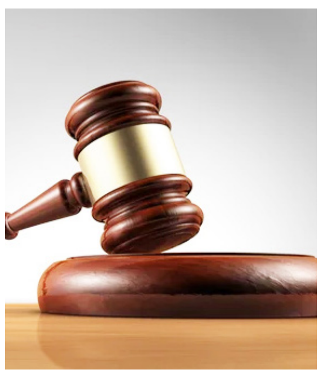

सुप्रीम कोर्ट ने 8वीं कक्षा की समाज विज्ञान की किताब में 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' शीर्षक से पाठ तैयार करने वाले तीन लेखकों को सरकारी संस्थानों से दूर करने का निर्देश दिया है। अदालत ने केंद्र, राज्य सरकारों और सरकारी फंड से चलने वाले सभी संस्थानों को आदेश दिया कि इन लेखकों को किसी भी ऐसी जिम्मेदारी से तुरंत हटाया जाए, जिसमें सरकारी धन का इस्तेमाल होता हो।

विशेषज्ञ समिति बनाएगी नया पाठ्यक्रम

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अगुवाई वाली पीठ ने केंद्र सरकार को एक सप्ताह के भीतर विशेषज्ञ समिति बनाने का निर्देश दिया है। यह समिति न केवल 8वीं कक्षा की किताब बल्कि उच्च कक्षाओं में कानूनी अध्ययन के पाठ्यक्रम को भी अंतिम रूप देगी। अदालत ने कहा कि नया या संशोधित चैप्टर तब तक प्रकाशित नहीं होगा, जब तक विशेषज्ञ समिति उसकी मंजूरी नहीं दे देती।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर विवाद को लेकर की गई गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों पर भी नाराजगी जताई। अदालत ने केंद्र सरकार को ऐसी वेबसाइटों और उनके संचालकों की पहचान करने का आदेश दिया, जिन्होंने भ्रामक या भड़काऊ सामग्री प्रकाशित की। मुख्य न्यायाधीश ने सख्त लहजे में कहा कि कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार दी इच्छामृत्यु की इजाजत

13 साल से कोमा में है बेटा, माता-पिता ने लगाई थी गुहार

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने इच्छामृत्यु के मामले में एक ऐसा फैसला सुनाया है जो कानून और मानवीय संवेदनाओं के बीच एक नई लकीर खींचता है। 13 साल से कोमा में रह रहे 31 वर्षीय हरीश राणा को कोर्ट ने 'सम्मान के साथ मौत' का अधिकार दिया है। गाजियाबाद का यह परिवार पिछले एक दशक से भी ज्यादा समय से जिस मानसिक और आर्थिक बोझ को उठा रहा था, अदालत ने उस पर गहरा दुख जताया है।

हरीश राणा, जो कभी पंजाब यूनिवर्सिटी के टॉपर थे, 2013 में हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए थे। तब से वे क्वाड्रिप्लेजिया नामक बीमारी से जूझ रहे हैं, जिसमें शरीर पूरी तरह लकवाग्रस्त हो जाता है। वे न बोल सकते थे, न महसूस कर सकते थे। उनके माता-पिता ने अपने बेटे को बचाने के लिए अपनी संपत्ति तक बेच दी, लेकिन जब शरीर पर गहरे घाव (बेडसोर्स) बनने लगे और सुधार की कोई उम्मीद नहीं बची, तब उन्होंने भारी मन से कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

पैसिव यूथेनेशिया क्या है?

इसे सरल भाषा में 'निष्क्रिय इच्छामृत्यु' कहते हैं। इसका मतलब मरीज को कोई घातक इंजेक्शन देना (एक्टिव यूथेनेशिया) नहीं है, बल्कि उस बाहरी सहायता को रोक देना है जो उसे जबरन सांसें दे रही है। कोर्ट ने एम्स को निर्देश दिया है कि हरीश का सपोर्ट सिस्टम धीरे-धीरे हटाया जाए, ताकि उनकी प्राकृतिक मृत्यु गरिमापूर्ण तरीके से हो सके।

शेक्सपीयर और 'सम्मानजनक मृत्यु' का जिक्र

जस्टिस जेबी पारदीवाला ने फैसला सुनाते हुए शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक हेमलेट की पंक्ति "To be or not to be" (होना या न होना) का जिक्र किया। कोर्ट ने माना कि जब मरीज के ठीक होने की शून्य संभावना हो, तो उसे कृत्रिम रूप से जिंदा रखना उसके प्रति क्रूरता है। संविधान का आर्टिकल 21 केवल 'सम्मान से जीने' का ही नहीं, बल्कि 'सम्मान से मरने' का अधिकार भी देता है।

केंद्र सरकार को 'कानून' बनाने की सलाह

वर्तमान में भारत में इच्छामृत्यु केवल सुप्रीम कोर्ट के 2018 के दिशा-निर्देशों के आधार पर ही संभव है। कोर्ट ने अब केंद्र सरकार से इस पर एक स्पष्ट कानून बनाने को कहा है, ताकि भविष्य में ऐसे परिवारों को अदालतों के चक्कर न काटने पड़ें और डॉक्टरों के पास भी एक स्पष्ट कानूनी ढांचा हो। अदालत ने एक बहुत महत्वपूर्ण बात कही—डॉक्टर का काम इलाज करना है, लेकिन जब विज्ञान हाथ खड़े कर दे और रिकवरी नामुमकिन हो, तो मरीज को मशीनों के सहारे बांधे रखना उसके 'सर्वोत्तम हित' में नहीं होता।

केजरीवाल ने केस स्थानांतरित करने का किया आग्रह

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और आबकारी नीति मामले के अन्य आरोपियों ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर इस मामले को दूसरी पीठ में स्थानांतरित करने की मांग की है। पार्टी के अनुसार केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत कई नेताओं ने निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए यह आग्रह किया है।

आरोपियों ने दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को भेजे पत्र में न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा की अदालत से मामले को हटाने का अनुरोध किया है। पत्र में कहा गया है कि न्याय की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए इस मामले की सुनवाई किसी दूसरी पीठ के सामने कराई जानी चाहिए।

16 मार्च को होगी अगली सुनवाई

गौरतलब है कि हाल ही में निचली अदालत ने केजरीवाल और 22 अन्य आरोपियों को आबकारी नीति मामले में आरोपमुक्त कर दिया था। इसके बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इस फैसले को दिल्ली उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। अदालत ने सभी आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है और मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को तय की है।

बांग्लादेश के रास्ते भारत में घुसने पर अफगान नागरिक गिरफ्तार

एजेंसी । कोलकाता

अफगानिस्तान के एक नागरिक को बांग्लादेश के रास्ते अवैध तरीके से भारत में घुसने के आरोप में पश्चिम बंगाल के नदिया जिले से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अलजाही मुसाफर के रूप में हुई है, जो अफगानिस्तान के निमरोज प्रांत का निवासी है। उसे सोमवार देर रात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया कि नियमित रात्रि गश्त के दौरान फतेपुर सीमा के पास जवानों ने उसे देखा और तुरंत रोककर हिरासत में लिया। उसके पास भारत में प्रवेश से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले और न ही उसके पास कोई बांग्लादेशी पहचान पत्र था। प्रारंभिक पूछताछ के बाद बीएसएफ ने आरोपी को पुलिस को सौंप दिया।

भारत टैक्सी का तीन साल में देशभर में विस्तार होगा

नई दिल्ली। देश के परिवहन क्षेत्र में सहकारी मॉडल को मजबूत करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने 'भारत टैक्सी' सेवा का देशव्यापी विस्तार करने का फैसला किया है। बुधवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सरकार ने बताया कि सहकारी आधार पर चलने वाले इस राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म को अगले दो से तीन वर्षों में देश के बड़े शहरों से लेकर प्रखंड स्तर तक पहुंचाने की योजना है। सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल ने सदन में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य ड्राइवरों को निजी कंपनियों के एकाधिकार से मुक्त कर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है।

मोबाइल ऐप और सुरक्षा व्यवस्था पर जोर

मंत्री ने बताया कि 'भारत टैक्सी' सेवा को मोबाइल ऐप के जरिए संचालित किया जा रहा है, जिससे यात्रियों और ड्राइवरों दोनों के लिए इसे उपयोग करना आसान होगा। सुरक्षा के लिहाज से इसमें कड़े मानक अपनाए गए हैं और दिल्ली-एनसीआर में इसे दिल्ली पुलिस की व्यवस्था से भी जोड़ा गया है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

रिपोर्ट 8 महीने में हटे सिर्फ 268 फाटक, संसद की समिति ने जताई नाराजगी

हाई-स्पीड ट्रेनों के आड़े आ रहे 16,000 फाटक

फाटक हटाकर आरओबी-आरयूबी बनाने की योजना

नई दिल्ली। भारतीय रेल की हाई स्पीड ट्रेन सेवाओं के विस्तार में देशभर के हजारों रेलवे फाटक बड़ी बाधा बन रहे हैं। रेल मंत्रालय अब मानवयुक्त फाटकों को हटाकर उनकी जगह रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) और रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) बनाने की योजना पर काम कर रहा है। हालांकि परियोजनाओं की धीमी रफ्तार के कारण ट्रेन संचालन की गति और यात्रियों की सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रही हैं।

संसदीय समिति ने जताई कड़ी नाराजगी

रेल संबंधी स्थायी समिति ने इस मामले में रेलवे की सुस्त कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई है। भाजपा नेता डॉ. सी. रमेश की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ब्रॉड गेज लाइनों से मानवरहित फाटक तो वर्ष 2019 तक पूरी तरह समाप्त कर दिए गए, लेकिन मानवयुक्त लेवल क्रॉसिंग हटाने के मामले में रेलवे अभी भी अपने लक्ष्य से काफी पीछे है।

अब भी सक्रिय हैं 16 हजार से ज्यादा फाटक

जनवरी 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार देश में ब्रॉड गेज लाइनों पर 16,231 मानवयुक्त फाटक अभी भी सक्रिय हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले आठ महीनों में रेलवे केवल 268 फाटक ही समाप्त कर पाया है, जो तय लक्ष्य की तुलना में काफी कम है। समिति के अनुसार यही फाटक ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने में सबसे बड़ी बाधा बन रहे हैं!

राज्यों की देरी से भी अटके कई प्रोजेक्ट

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि वर्तमान में 4,769 आरओबी और आरयूबी परियोजनाएं स्वीकृत हैं, लेकिन इनमें से कई परियोजनाएं लागत साझा करने और भूमि अधिग्रहण की वजह से अटकी हुई हैं। कई राज्यों द्वारा अपने हिस्से की राशि समय पर न देने के कारण करीब 30 से 35 प्रतिशत परियोजनाएं निर्धारित समय से पीछे चल रही हैं।